ज्येष्ठ शुक्ल - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 304 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 02-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पाकिस्तान के साथ अगली बातचीत पीओके को वापस लेने पर होनी चाहिए : अभिषेक बनर्जी

6 देश में जासूसी का मायाजाल

7 'मिट्टी और सोना' में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार : सोनम

फर्स्ट टेक

मुंबई हवाई अड्डे पर 48 अत्यंत विषैले सांपों के साथ यात्री पकड़ा गया

मुंबई/भाषा। थाईलैंड से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे एक भारतीय के पास 48 अत्यंत विषैले सांप और पांच कछुए पाए गए। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार रात को बैंकॉक से आयी एक उड़ान में यहां पहुंचे एक यात्री को रोका। उन्होंने बताया कि यात्री के सामान की तलाशी के दौरान सीमा शुल्क अधिकारियों को 48 अत्यंत विषैले वाइपर सांप और पांच कछुए मिले। उन्होंने बताया कि आरएडब्ल्यूडब्ल्यू (रेसक्रिंक एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर) की एक टीम ने इनकी प्रजातियों की पहचान और प्रबंधन में सहायता की। अधिकारी ने बताया कि वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने आदेश दिया है कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सांपों को उस देश में वापस भेज दिया जाए जहां से उन्हें लाया गया था।

बिना अनुमति हज करने पहुंचे 2,69,678 मुसलमानों को मक्का में प्रवेश करने से सऊदी अरब ने रोका

मक्का/एपी। सऊदी अरब ने वार्षिक हज यात्रा के लिए बिना अनुमति वाले 2,69,000 से अधिक लोगों को मक्का में प्रवेश करने से रोक दिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सरकार हज में भीड़भाड़ के लिए अनधिकृत यात्रियों को दोषी ठहराती है। सरकार ने कहा है कि पिछले साल की भीषण गर्मी में मरने वालों में बड़ी संख्या अनधिकृत रूप से आने वाले लोगों की थी। आधिकारिक तौर पर मक्का में वर्तमान में लगभग 14 लाख मुसलमान पहुंच चुके हैं, और आने वाले दिनों में और भी अधिक लोगों के आने की उम्मीद है। बिना अनुमति के हज करने वाले किसी भी व्यक्ति को 5,000 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना और निर्वासन जैसे अन्य दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

कोच्चि में विदेशी नौसेना का अधिकारी लापता

कोच्चि/भाषा। विदेशी नौसेना का एक अधिकारी रविवार शाम कोच्चि बैकवाटर्स में लापता हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि लापता अधिकारी किसी दूसरे देश का है और भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) में प्रशिक्षण के लिए केरल में था। वह कार्यक्रम के तहत कोच्चि आया हुआ था। अभी यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि वह किस देश से हैं।

02-06-2025 सूर्यास्त 6:43 बजे | 03-06-2025 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
81,451.01	24,750.70
(-182.02)	(-82.90)

सोना	चांदी
10,098 रु.	100,550 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रोको इन्हें

अब बंद करो टीवी बहसें,
भड़काऊ भाषा और बोली।
सोशल मिडिया को करो ब्लॉक,
जिसकी नीवें थोथी पोली।
गालीबाजों को जेल करो,
गोलीबाजों को दो गोली।
वर्ना ये सभी जला देंगे,
अब संविधान की भी होली।।

भारत में बांग्लादेशियों की घुसपैठ के लिए ममता जिम्मेदार : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केंद्रीय गृहमंत्री ने ममता बनर्जी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सस्ती राजनीतिक टिप्पणी करने तथा एक तरह से देश की करोड़ों माताओं और बहनों की भावनाओं से खेलने का आरोप लगाया।

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत में बांग्लादेशियों की घुसपैठ के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ही इसे प्रभावी रूप से रोक सकती है।

शाह ने आज यहां नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा,बंगाल के वोट केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करते हैं। बंगाल का वोट देश की सुरक्षा से जुड़ा है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए हमारे देश की सीमाएं खोल दी हैं। उनके आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है। आप मुझे बताएं, घुसपैठ रोकनी चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा, क्या दीदी (ममता बनर्जी) इसे रोक सकती हैं? क्या उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) इसे रोक सकते हैं? केवल पद्म (कमल/भाजपा) सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है।उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के वास्ते घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए सुश्री बनर्जी नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री ने जबानी हमला जारी रखते हुए सुश्री बनर्जी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सस्ती राजनीतिक टिप्पणी करने तथा एक तरह से देश की करोड़ों माताओं और बहनों की भावनाओं से खेलने का आरोप लगाया।

नासिक-त्र्यंबकेश्वर में अगले वर्ष 31 अक्टूबर से शुरू होगा सिंहस्थ कुंभ मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/मुंबई/भाषा। नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर 2026 को दो प्रमुख तीर्थ नगरी में पारंपरिक ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा, जबकि गोदावरी नदी में पहला 'अमृत स्नान' दो अगस्त 2027 को होगा।

नासिक में साधुओं और महंतों की एक बैठक में बहुप्रतीक्षित तिथियों की घोषणा की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने की। उन्होंने कहा कि इस भव्य समागम के लिए किए जाने वाले प्रबंध के पैमाने को देखकर दुनिया दंग रह जाएगी।

सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर 2026 को त्र्यंबकेश्वर के साथ-साथ रामकुंड और पंचवटी में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा।

नासिक में 29 जुलाई 2027 को 'नगर प्रदक्षिणा' होगी, जबकि पहला 'अमृत स्नान' दो अगस्त 2027 को होगा। दूसरा अमृत स्नान 31 अगस्त 2027 को तथा तीसरा और अंतिम 11 सितंबर 2027 को नासिक में और 12 सितंबर 2027 को त्र्यंबकेश्वर में होगा।

ध्वज को 24 जुलाई 2028 को उतार लिया जाएगा, जो सिंहस्थ कुंभ मेले के समापन का प्रतीक होगा। यह 12 वर्षों में एक बार आयोजित होता है।

पिछला सिंहस्थ कुंभ मेला वर्ष 2015-16 में नासिक और त्र्यंबकेश्वर में आयोजित किया गया था। कुंभ पारंपरिक रूप से नासिक-त्र्यंबकेश्वर, प्रयाग (इलाहाबाद), हरिद्वार और उज्जैन में आयोजित किया जाता है। अर्ध कुंभ हर छह साल बाद प्रयाग और हरिद्वार में आयोजित किया जाता है।

नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ अद्वितीय है क्योंकि यहां वैष्णव अखाड़े और शैव अखाड़े अलग-अलग स्नान करते हैं।

विकसित कृषि के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/लखनऊ/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि विकसित कृषि के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। चौहान ने विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के अंतर्गत रविवार को मेरठ जिले के दबथुआ विकासखण्ड सुरूरपुर में कृषक वैज्ञानिक संवाद में हिस्सा लिया।

चौहान ने अभियान के चौथे दिन उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया और दबथुवा और जंगेठी गांवों में चारपाई पर बैठकर किसानों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के उपाय सुझाए।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर देश के हर किसान को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि खेती के क्षेत्र में सिंह से बड़ी प्रेरणा कोई नहीं हो सकती। चौहान ने यह भी बताया कि 29 मई को जब यह अभियान शुरू हुआ, तब सिंह की पुण्यतिथि भी थी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि बिना विकसित कृषि के विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने संदेश दिया कि यदि मंत्री, सांसद, वैज्ञानिक, कृषि विभाग पूरे देश में एक टीम के साथ काम करें तो देश का उत्पादन भी बढेगा और किसानों की आय भी बढेगी, साथ ही हम विश्व को खाद्य सामग्री देने में सक्षम भी हो सकेंगे। लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रदेश के 75 जनपदों में अब तक लगभग 2700 स्थानों पर विभिन्न गणमान्य जनप्रतिनिधि/कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारियों के साथ आज चौथे दिन तक लगभग 3,25,000 से अधिक किसानों ने भाग लिया है।

270 वर्षों के बाद

पद्मनाभस्वामी मंदिर में किया जाएगा दुर्लभ 'महाकुंभाभिषेकम' का आयोजन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में 270 साल बाद आठ जून को दुर्लभ 'महाकुंभाभिषेकम' अनुष्ठान किया जाएगा। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। इस प्राचीन मंदिर में लंबे समय से लंबित जीर्णोद्धार कार्य के हाल ही में पूरा होने के बाद अगले सप्ताह 'महाकुंभाभिषेकम' होगा। मंदिर के पदाधिकारियों के अनुसार, इस अनुष्ठान का उद्देश्य आध्यात्मिक ऊर्जा को प्रबल बनाना है। मंदिर प्रबंधक बी. श्रीकुमार ने यहां बताया कि सदियों पुराने इस मंदिर में 270 साल से अधिक समय के बाद इस तरह का व्यापक जीर्णोद्धार और उससे जुड़े अनुष्ठान हो रहे हैं और अगले कई दशकों में ऐसा दोबारा होने की संभावना नहीं है।

स्टालिन ने किया विस चुनाव का शंखनाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम(द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने रविवार को मदुरै में पार्टी की महत्त्वपूर्ण महासभा की बैठक की अध्यक्षता की जिससे वर्ष 2026 विधानसभा चुनावों की रणनीति तय करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी।

इससे पहले उन्होंने शनिवार को 25 किलोमीटर लंबा भव्य रोड शो करके चुनाव प्रचार का आगाज किया। इस रोड शो में जनता का उत्साह और समर्थन देखने लायक था। इसके बाद पार्टी की महासभा बैठक में स्टालिन के संबोधन पर राजनीतिक हलकों में पैनी नजर थी, जहां उनसे चुनावी रोडमैप प्रस्तुत करने की उम्मीद की जा रही थी।

द्रमुक की नीति निर्धारण करने वाली सर्वोच्च संस्था महासभा की बैठक मदुरै में 48 वर्षों बाद आयोजित की गयी है। पिछली बार यह बैठक वर्ष 1977 में हुई थी, जब दिवंगत नेता के. अन्बझगन को महासचिव चुना गया था। वह आजीवन इस पद पर बने रहे।

बैठक स्थल को चेन्नई स्थित द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' की तर्ज पर सजाया गया था। वहां पार्टी संस्थापक सी.एन. अन्नादुरई, पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि, समाज सुधारक पेरियार और स्टालिन के विशाल कटआउट लगाए गए थे।

पूरा शहर पार्टी के झंडों और पोस्टरों से सजा हुआ था। माहौल किसी उत्सव से कम नहीं लग रहा था।

यूक्रेन ने ड्रोन हमले में रूस के 40 से अधिक सैन्य विमान नष्ट किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यूक्रेन और रूस ने एक दूसरे पर हमले ऐसे समय तेज किये हैं जब दोनों पक्ष तुर्किये के इस्तांबुल शहर में सीधी बातचीत के नये दौर में शामिल होने जा रहे हैं।

कीव/एपी। यूक्रेन ने रविवार को दावा किया कि उसने रूस की सीमा में दाखिल होकर उसके 40 से अधिक सैन्य विमान नष्ट कर दिये हैं। इससे एक दिन पहले ही रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले किये थे।

यूक्रेन और रूस ने एक दूसरे पर हमले ऐसे समय तेज किये हैं जब दोनों पक्ष तुर्किये के इस्तांबुल शहर में सीधी बातचीत के नये दौर में शामिल होने जा रहे हैं।

यूक्रेन के एक अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हमले को अंजाम देने में डेढ़ साल से अधिक का समय लगा और इसकी निगरानी व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने की। उन्होंने बताया कि हमले के लिए ट्रकों में लादकर ड्रोन रूसी सीमा के काफी भीतर तक ले जाया गया। अधिकारी के मुताबिक ड्रोन से कथित तौर पर रविवार दोपहर को कई हवाई अड्डों पर खड़े 41 विमानों को निशाना बनाया गया जिनमें ए-50, टीयू-95 और 22टीएम विमान शामिल हैं।

रूस ने इससे पहले पहले यूक्रेन पर मिसाइल दागने के लिए तुपोलेव टीयू-95 और टीयू-22 लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम इन बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल किया है, जबकि ए-50 का उपयोग लक्ष्यों का समन्वय करने और हवाई सुरक्षा और निर्देशित मिसाइलों का पता लगाने के लिए किया जाता है।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में पुष्टि की कि उसके पांच हवाई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया है। बयान में कहा गया है कि एफपीवी ड्रोन ने यूक्रेन से 4,000 किलोमीटर से अधिक दूर इरकुत्स्क क्षेत्र के साथ-साथ रूस के उत्तरी मरमंस्क में हवाई अड्डों पर विमानों को नुकसान पहुंचाया और हमले से उनपर आग लग गई। मंत्रालय ने कहा कि रूस के सुदूर पूर्व में अमूर क्षेत्र तथा इवानोवो और रियाजान के पश्चिमी क्षेत्रों में हमलों को विफल कर दिया गया।

मणिपुर में भारी बारिश से 883 घर क्षतिग्रस्त

भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 3,802 लोग प्रभावित हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में भारी बारिश के कारण पिछले 48 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं और 883 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि नदियों के उफान पर आने और तटबंध टूटने के कारण राज्य की राजधानी इंफाल और इंफाल पूर्व जिले के कई इलाकों में जलभराव हो गया। उन्होंने बताया कि मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल शहर के कई जलमग्न इलाकों का दौरा किया, जबकि सेना और असम राइफल्स के जवानों ने सबसे अधिक प्रभावित जिले इंफाल पूर्व में जलमग्न इलाकों से लगभग 800 लोगों को बचाया।

राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि भल्ला ने मुख्य सचिव पी के सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंफाल में कांगला नोंगपोक थोंग, लैरिक्येंगबाम लेइकाई और सिंगजामेई ब्रिज का दौरा किया और वहां की स्थिति का आकलन किया।

राज्य में बाढ़ और भूस्खलन के परिणामस्वरूप पिछले 48 घंटों में कम से कम 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं और 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया, शनिवार शाम तक कुल 3,275 इलाके या गांव भारी बारिश की चपेट में आ चुके हैं, जिसमें दो लोग घायल भी हुए हैं तथा 64 जानवरों की मौत की खबर है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य भर में कुल मिलाकर भूस्खलन की 12 घटनाएं हुई हैं।

असम-अरुणाचल सीमा पर बाढ़ में फंसे 14 लोगों को वायुसेना ने बचाया

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय वायुसेना ने रविवार सुबह असम-अरुणाचल सीमा के पास बोमजीर गांव में फंसे 14 लोगों को बचाया। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण असम और अरुणाचल प्रदेश में कई नदियों में बढ़ते जलस्तर के बीच 14 लोग गांव में फंस गए थे। तिनसुकिया जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल के अनुरोध पर आज सुबह बचाव अभियान शुरू किया गया। बचाव प्रयासों में समन्वय के लिए अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी जिले के अधिकारियों को भी सतर्क कर दिया। वायुसेना के सक्रिय सहयोग से अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया और बचाव की निगरानी के लिए सदिया राजस्व मंडल अधिकारी जयदीप रजक मौके पर मौजूद थे।

पुतिन युद्ध को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं : अमेरिकी सांसद

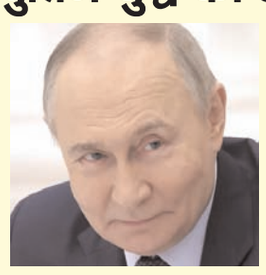

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी। अमेरिका के दो वरिष्ठ सांसदों ने रविवार को आगाह करते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति वार्ता को रोक कर यूक्रेन पर एक नये आक्रमण की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले दो सप्ताह इस युद्ध के भविष्य को आकार दे सकते हैं, जिसकी वजह से पहले से ही कई शहर तबाह हो चुके हैं, लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

रिपब्लिकन पार्टी के सांसद लिंडसे ग्राम और डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद रिचमंड ब्लूमेंथल ने पेरिस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद 'एसोसिएटेड प्रेस' से यह बात कही। ग्राहम ने पुतिन के बारे में कहा, इस यात्रा से मुझे पता चला कि वह युद्ध को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। ब्लूमेंथल ने कहा, रूस एक नये आक्रमण की तैयारी कर रहा है।

भारत को इस्पात शुल्क चुनौतियों से सतर्क रहने की जरूरतः उद्योग जगत

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका द्वारा शुल्क संबंधी घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस्पात उद्योग के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि वैश्विक शुल्क में बदलाव के कारण भारत को व्यापार के बढ़ते जोखिम के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रमुख इस्पात कंपनियों जेएसडब्ल्यू स्टील और एएमएनएस इंडिया ने कहा कि आवश्यक व्यापार उपायों को सक्रिय रूप से लागू करने की आवश्यकता है, क्योंकि हर देश अपने उद्योग की रक्षा कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पेंसिल्वेनिया के इस्पातकर्मियों से कहा कि वह उनके उद्योग की रक्षा के लिए इस्पात आयात पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर देंगे। इससे आवास, वाहन और अन्य सामान बनाने में इस्तेमाल होने वाली धातु की कीमतें और बढ़ सकती हैं। बाद में सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि एल्युमीनियम शुल्क को भी दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया जाएगा और दोनों शुल्क बढ़ोतरी बुधवार से लागू होंगी।

डांटने का मतलब किसी को आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एक छात्र को डांटकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपी शख्स को बरी कर दिया है। आरोपी, एक स्कूल और एक छात्रावास का प्रभारी था, जिसने एक अन्य छात्र की शिकायत पर दूसरे छात्र को डांटा था जिसने बाद में एक कमरे में फांसी लगा ली। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता था कि डांटने के कारण ऐसी दुखद घटना घट सकती है। शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से शिक्षक को बरी करने से इनकार कर दिया गया था। पीठ ने कहा, ''पूरे मामले पर विचार करने के बाद, हम इसे हस्तक्षेप के लिए उपयुक्त मामला पाते हैं। जैसा कि अपीलकर्ता ने सही ढंग से प्रस्तुत किया है, कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने के कारण, वह भी एक छात्र की शिकायत के आधार पर, इतनी त्रासदी हो सकती है कि डांटने के कारण छात्र ने खुदकुशी कर ली।''

अमृतसर में आतंकवाद व जबरन वसूली मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो व्यक्ति गिरफ्तारः पंजाब पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने रविवार को दावा किया कि उसने दो लोगों को गिरफ्तार करके आतंकवाद और जबरन वसूली के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह मॉड्यूल प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक सदस्य से जुड़ा था।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि बीकेआई सदस्य जीवन फौजी पंजाब के सीमावर्ती जिलों में एक जबरन वसूली गिरोह चला रहा था जो व्यक्तियों को निशाना बनाता था। उन्होंने बताया कि उसके दो साथियों वेरोवाल निवासी करजप्रीत सिंह और तरनतारन के गोइंदवाल साहिब निवासी गुरलाल सिंह उर्फ हरमन को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीजीपी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि फौजी ने करजप्रीत और गुरलाल सिंह को एक पिस्तौल मुहैया कराई और उन्हें अमृतसर क्षेत्र में फर्नीचर की एक दुकान पर गोली चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ''गोलीबारी की यह घटना जबरन वसूली के प्रयास का हिस्सा थी, जिसमें जीवन फौजी ने दुकान मालिक के कनाडा स्थित एक रिश्तेदार से फिरौती की मांग की थी।''

बड़ी राशि के प्रलोभन से नाबालिग और कमजोर समूह को लक्ष्य बनाती हैं अवैध साइट : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच पर आने वाले आक्रामक वित्तीय प्रोत्साहन और रैपिड-फायर (तत्काल सवाल-जवाब आधारित) सट्टेबाजी उत्पाद, नाबालिगों और कमजोर उपयोगकर्ताओं को अभूतपूर्व रफ्तार से उच्च जोखिम वाले जुए में खींच रहे हैं। इससे ये लोग इन सट्टेबाजी के आदी बन रहे हैं। एक रिपोर्ट से पता चलता है कि ये मंच, वैध संचालकों पर लगाए जाने वाले 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर और स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) से मुक्त हैं, जो उपयोगकर्ताओं को अधिक आकर्षक भुगतान और विनियमित साइट पर प्रतिबंधित तत्काल हार-जीत वाले गेम के साथ लुभाते हैं।

पंजाब में 'आप' सभी मोर्चों पर नाकाम

लोग अब भी मादक पदार्थों से मर रहेः भाजपा नेता तरुण चुघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लुधियाना/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने रविवार को आरोप लगाया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार सभी मोर्चों पर पूरी तरह विफल रही है। चुघ ने यह टिप्पणी लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार जीवन गुप्ता के पक्ष में प्रचार करते हुए की। जनवरी में आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी। इस सीट के लिए उपचुनाव 19 को होगा और मतगणना 23 जून को होगी।

मीडिया से बात करते हुए चुघ ने आरोप लगाया कि पंजाब वर्तमान में आप के अराजक और दिशाहीन शासन से पीड़ित है। चुघ ने आरोप लगाया, पंजाब कानून-व्यवस्था से जुड़े गंभीर संकट का सामना कर रहा है। पूर्ण वित्तीय कुप्रबंधन के कारण राज्य चार लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज में डूबा हुआ है। चुघ ने दावा किया कि कभी एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र माना जाने वाला लुधियाना आज खस्ताहाल बुनियादी ढांचे, संगठित अपराध में वृद्धि और मादक पदार्थों के दुरुपयोग से ग्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया, निवेशक अन्य राज्यों की ओर भाग रहे हैं, जबकि युवा आप के रोजगार और समृद्धि के खोखले वादों से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि आप सरकार राज्य के लिए कुछ नहीं कर सकी। उन्होंने भगवंत मान सरकार को प्रत्येक महिला को 1,000 रुपए प्रति माह देने के उसके अधूरे वादे की याद दिलाई। उन्होंने आरोप लगाया, आप सरकार राज्य में सभी मोर्चों पर पूरी तरह विफल रही है। भाजपा नेता ने भगवंत मान सरकार पर मादक पदार्थ रोधी अभियान में विफल रहने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में लोग अभी भी मादक पदार्थों की वजह से मर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं मान से पूछना चाहता हूं कि 31 मई 'नशे के विरुद्ध युद्ध' के तहत राज्य से मादक पदार्थों के खात्मे का आखिरी दिन था। लेकिन आज भी लोग मादक पदार्थों से मर रहे हैं। क्या यह फर्जी अभियान था? हम इस मुद्दे पर राज्य सरकार की नाकामी को उजागर करेंगे।

जीएसटी संग्रह लगातार दूसरे महीने दो लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा

नई दिल्ली/भाषा। सकल जीएसटी संग्रह लगातार दूसरे महीने दो लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से ऊपर रहा। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मई में 16.4 प्रतिशत बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.37 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मई, 2024 में यह संग्रह 1,72,739 करोड़ रुपए था।

मई, 2025 में घरेलू लेन-देन से सकल राजस्व 13.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयात से जीएसटी राजस्व 25.2 प्रतिशत बढ़कर 51,266 करोड़ रुपए हो गया। मई, 2025 में कुल सकल जीएसटी राजस्व 2,01,050 करोड़ रुपए रहा। सकल केंद्रीय जीएसटी राजस्व 35,434 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी राजस्व 43,902 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी लगभग 1.09 लाख करोड़ रुपए रहा। उपकर से राजस्व 12,879 करोड़ रुपए रहा। महीने के दौरान जारी कुल रिफंड चार प्रतिशत घटकर 27,210 करोड़ रुपए रह गया। मई में शुद्ध जीएसटी संग्रह लगभग 1.74 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की तुलना में 20.4% अधिक है।

एयर इंडिया को यात्री, कार्गो कारोबार में भारी उछाल की उम्मीदः सीईओ विल्सन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा कि उन्हें यात्री और कार्गो खंड में भारी उछाल की उम्मीद है और एयरलाइन भागीदारी के लिए हमेशा तैयार है। एयर इंडिया अपने विमानों को उन्नत करने, सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने और नेटवर्क का विस्तार करने पर काम कर रही है। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। विल्सन ने कहा कि वह एयरलाइन की प्रगति से बहुत खुश हैं, हालांकि अभी और काम करना बाकी है।

एयर इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''जब आप बदलाव लाने की कोशिश करते हैं, तो ऐसी कई चीजें होती हैं, जिनके लिए हमें खुद को साबित करने के लिए काम करना पड़ता है... लक्ष्य बहुत स्पष्ट है और इसमें जरा भी बदलाव नहीं हुआ है।''

विल्सन ने कहा कि एयरलाइन को यात्री और कार्गो व्यवसाय दोनों खंडों में बहुत अधिक संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा कि निजीकरण के बाद से कार्गो राजस्व में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। इस दौरान यात्री राजस्व में दोगुने से अधिक की वृद्धि हुई है। विल्सन ने कहा कि एयर इंडिया अपने चौड़े आकार के विमानों के रखरखाव का काम तुर्किये की टेक्निक की जगह किसी दूसरी संस्था को देने पर विचार कर रही है।

एयर मार्शल खन्ना ने दक्षिणी वायु कमान के एओसी-इन-सी का पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षक विमानों पर 4,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव रखने वाले कुशल अधिकारी एयर मार्शल मनीष खन्ना ने रविवार को दक्षिणी वायु कमान का पदभार ग्रहण किया। सरकार ने एक बयान में कहा कि उन्हें 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन दिया गया था। इसमें कहा गया है, ''एयर मार्शल मनीष खन्ना अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम), वायुसेना मेडल (वीएम), ने 1 जून 2025 को तिरुवनंतपुरम में एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) के रूप में दक्षिणी वायु कमान (एसएसी) की कमान संभाली।''

वायुसेना अधिकारी श्रेणी 'ए' योग्यता प्राप्त उड़ान प्रशिक्षक हैं तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वायु युद्ध महाविद्यालय और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। इसमें कहा गया है, ''वायुसेना अधिकारी के पास विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षक विमानों पर 4,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।'' वायु रक्षा, जमीनी हमले, रणनीतिक टोही और इलेक्ट्रॉनिक युद्धक कौशल में अपने समृद्ध परिचालन अनुभव के अलावा, एयर मार्शल के पास प्रशिक्षण क्षेत्र में व्यापक अनुभव है, जिसमें बोत्सवाना रक्षा बलों के साथ मुख्य उड़ान प्रशिक्षक के रूप में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यभार भी शामिल है। लगभग चार दशकों के अपने शानदार कैरियर में, उन्होंने लड़ाकू स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर, एयर क्रू एग्जामिनिंग बोर्ड, एक प्रमुख उड़ान बेस, उन्नत मुख्यालय, पश्चिमी वायु कमान और कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू) में कमांडेंट के रूप में कार्य किया है।

वर्तमान पदभार ग्रहण करने से पहले एयर मार्शल दक्षिण पश्चिमी कमान (एसडब्ल्यूएसी) में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर (एसएएसओ) थे।

एक अन्य घोषणा में रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने एक जून को भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान (डब्ल्यूएसी) के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में पदभार ग्रहण किया। बयान में कहा गया कि एयर मार्शल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और 16 दिसंबर, 1989 को भारतीय वायुसेना में एक लड़ाकू पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था।

एआईएमआईएम वक्फ के लिए लड़ाई जारी रखेगी : अकबरुद्दीन ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि मुसलमान वक्फ से जुड़े अपने अधिकारों को नहीं छोड़ेंगे और उनकी पार्टी वक्फ के लिए लड़ाई जारी रखेगी।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के विधायक ओवैसी वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के विरोध प्रदर्शन के तहत यहां धरना चौक पर एकत्रित हुए लोगों को संबोधित कर रहे थे।

पार्टी अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के छोटे भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा, जो लोग सोचते हैं कि वे इस कानून के जरिए हमारा मनोबल कमजोर करना चाहते हैं... न तो हमारा मनोबल गिरा है और न ही गिरने वाला है। न तो हम अपनी शरीयत छोड़ने को तैयार हैं, न ही हिजाब और न ही हम अपना वक्फ छोड़ने को तैयार हैं। हम लोकतंत्र और कानून के दायरे में अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि नया कानून वक्फ संपत्तियों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है, न कि वक्फ को बचाने के लिए। उन्होंने कहा, इस कानून को वापस लिया जाना चाहिए।

मां गंगा का आशीर्वाद मिले ताकि

यमुनाजी को भी हम अविरल और स्वच्छ बना सकें : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर रविवार को यहां गंगा स्नान किया और कहा कि उन्होंने मां गंगा से यमुना नदी को भी उनकी तरह स्वच्छ और सुंदर बनाने का आशीर्वाद मांगा है।

गुप्ता ने सपरिवार यहां मुख्य स्नान घाट हर की पैड़ी पर ब्रह्मकुंड में गंगा नदी में डुबकी लगाई और देश-प्रदेश की समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री के साथ उनके पति मनीष गुप्ता और पुत्र निकुंज ने भी गंगा स्नान किया। स्नान के बाद गुप्ता ने ब्रह्मकुंड पर गंगा पूजन किया। गंगा सभा के तीर्थ पुरोहितों ने विधि विधान से उनकी पूजा संपन्न कराई।

इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के 100 दिनों का कार्यकाल पूरा होने के बाद वह देवभूमि हरिद्वार आयी हैं और गंगा स्नान कर उन्होंने मां गंगा से देश में खुशहाली की कामना की है।

रेखा गुप्ता ने कहा, ''मां गंगा के चरणों में नमन करते हुए यही प्रार्थना करती हूं कि भारतवर्ष विकसित हो और उस विकसित भारत में विकसित दिल्ली भी अपना स्थान बनाए एवं देश में खुशहाली आए।'' गुप्ता ने कहा कि वह यमुना को भी गंगा की तरह अविरल और सुंदर बनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, ''हमें गंगाजी का आशीर्वाद मिले और यमुनाजी को भी हम गंगा जैसी अविरल, स्वच्छ और सुंदर बना सकें।''

सौ दिन के कार्यकाल के बाद भविष्य के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य है कि विकसित दिल्ली की दिशा में आगे बढ़ें और बेहतर काम करें।

साध्वी ऋतंभरा के हरिद्वार में नवनिर्मित आश्रम 'गंगा वात्सल्य' के लोकार्पण कार्यक्रम में भी गुप्ता शामिल हुईं जहां संत समाज और श्रद्धालुओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। साथ ही गुप्ता ने जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि से भी भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया।

सेना के तीनों अंगों ने संयुक्त सुरक्षा अभ्यास किया, फोर्स वन और मुंबई पुलिस ने भी हिस्सा लिया

मुंबई/भाषा। गैर-परंपरागत खतरों की उभरती प्रकृति और सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय सेना के तीनों अंगों ने यहां एक उच्च स्तरीय संयुक्त सुरक्षा अभ्यास किया। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक बयान में कहा गया कि दो दिवसीय अभ्यास 30 और 31 मई को सेना प्रशिक्षण क्षेत्र, कोलाबा और फोर्स वन प्रशिक्षण क्षेत्र मुंबई में आयोजित किया गया और इसका समापन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर हुआ। बयान के मुताबिक, दो दिवसीय व्यापक अभ्यास में थल सेना, नौसेना, वायु सेना, भारतीय तटरक्षक बल, फोर्स वन (महाराष्ट्र) और मुंबई पुलिस की समन्वित भागीदारी देखी गई।

बयान में कहा गया, ''इसका प्राथमिक उद्देश्य अंतर-एजेंसी सहयोग को मजबूत करना, परिचालन तत्परता का आकलन करना और बहुआयामी सुरक्षा परिदृश्यों के लिए एकीकृत प्रतिक्रिया तंत्र को जांचना था।''

केनरा बैंक ने सभी बचत खातों में न्यूनतम शेष पर जुर्माने को खत्म किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने सभी प्रकार के बचत खातों में औसत मासिक राशि (एएमबी) की जरूरत को पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा की है। इसके तहत बैंक खाते में न्यूनतम राशि से कम जमा होने पर खाताधारक पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। इसमें बचत खाते, वेतन खाते, एनआरआई बचत खाते आदि शामिल हैं।

बैंक ने बयान में कहा कि यह आदेश एक जून, 2025 से प्रभावी हो गया है। केनरा बैंक के किसी भी बचत खाता ग्राहक को अपने खाते में न्यूनतम शेष राशि बनाए न रखने के लिए दंड या शुल्क का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे पहले, बैंक के ग्राहकों को अपने खाते के प्रकार के आधार पर न्यूनतम औसत मासिक शेष राशि बनाए रखना पड़ता था। इन मानदंडों को पूरा नहीं करने पर जुर्माना लगाया जाता था। इस नई नीति के साथ, केनरा बैंक के सभी बचत खाताधारक अब सभी खातों के लिए किसी भी एएमबी-संबंधित दंड या शुल्क से मुक्त 'न्यूनतम शेष राशि पर कोई जुर्माना नहीं' का आनंद लेंगे।

इस कदम से वेतनभोगी व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और पहली बार बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने वालों सहित केनरा बैंक के लाखों ग्राहकों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

गुजरात के मंत्री का बेटा मनरेगा घोटाले से संबंधित दूसरे मामले में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाहोद (गुजरात)/भाषा। गुजरात के पंचायत और कृषि राज्य मंत्री बच्चुभाई खाबड़ के बेटे बलवंत खाबड़ को मनरेगा से संबंधित मामले में रविवार को गिरफ्तार किया गया। उसे मनरेगा कार्यों से जुड़े एक अन्य मामले में कुछ दिन पहले ही जमानत मिली थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। बलवंत और उसके भाई किरण खाबड़ को अप्रैल में उनके खिलाफ दर्ज पहली प्राथमिकी के मामले में 29 मई को जमानत दी गई थी। पुलिस उपाधीक्षक जगदीशसिंह भंडारी ने बताया कि बलवंत को रविवार को गिरफ्तार किया गया जब दाहोद 'बी' संभाग पुलिस ने शनिवार को उसके खिलाफ एक नई प्राथमिकी दर्ज की। उन्होंने कहा कि 31 मई को दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, खाबड़ की कंपनी को 2022-23 में दाहोद जिले के धनपुर तालुका के भानपुर गांव में मनरेगा के तहत आवंटित कार्य पूरा किए बिना 33.86 लाख रु. का भुगतान प्राप्त हुआ था। अप्रैल के बाद से दाहोद पुलिस द्वारा दर्ज की गई यह तीसरी प्राथमिकी है, जब अधिकारियों को पता चला था कि विभिन्न एजेंसियों को भुगतान किया गया था, जबकि उन्होंने वह सामग्री आपूर्ति नहीं की थी जिसके लिए उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत ठेका दिया गया था।

अदाणी समूह कभी भी जांच से पीछे नहीं हटा, पहले से अधिक मजबूत, अटूटः गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

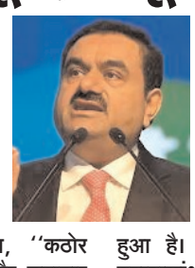

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह कभी भी जांच से पीछे नहीं हटा और इसके बजाय उसने अपनी रणनीति बदली और अधिक लचीला रुख अपनाया। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी ने यह बात कही और जोड़ा कि इसके चलते अदाणी समूह अधिक मजबूत और अटूट बनकर उभरा।

गौरतलब है कि अदाणी समूह ने पिछले दिनों कई बड़े अधिग्रहण किए और उसे गहन जांच का सामना करना पड़ा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अपने मजबूत बही-खाते और मजबूत व्यावसायिक वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि समूह अगले पांच साल के दौरान अपने कारोबार में 15-20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा।

अदाणी ने समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा, ''कठोर प्रतिकूल परिस्थितियों और लगातार जांच से हम कभी पीछे नहीं हटे। इसके बजाय - हमने खुद को फिर से संतुलित किया। हमने फिर से योजना बनाई। हम पहले से अधिक दुर्जेय, अधिक अटूट, अधिक मजबूत और अधिक लचीले बन गए है।''

एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अदाणी ने कहा कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि ''अदाणी समूह ऐसा कैसे करता रहता है? हम बार-बार कैसे आगे बढ़ते हैं?'' उन्होंने आगे कहा, ''मेरा जवाब हमेशा एक ही रहता है: हमारा दृढ़ विश्वास स्पष्टता पर टिका हुआ है। हमारे उद्देश्य भारत की महत्वाकांक्षाओं के साथ जुड़े हुए हैं। हमारी ताकत उस भरोसे से आती है जो आप - हमारे शेयरधारक - हम पर रखते हैं।''

अदाणी ग्रीन एनर्जी के संबंध में अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों पर उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब समूह की परीक्षा ली गई है। उन्होंने आगे कहा, ''न ही यह आखिरी बार होगा... हर चुनौती हमारे संकल्प को और मजबूत बनाती है। हर बाधा एक अवसर बन जाती है।'' उन्होंने कहा कि तमाम शोर के बावजूद, तथ्य यह है कि अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है।

अदाणी ने कहा, ''हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा तेजी से गूंजती है। लेकिन हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं, और मैं जोर देकर यह भी दोहराना चाहता हूं कि हमारा कामकाज वैश्विक मानकों पर आधारित है।''

सरकार ने पड़ोसी देशों से एफडीआई मंजूरी को तेज कियाः अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने चीन सहित पड़ोसी देशों के एफडीआई आवेदनों को मंजूरी देने की प्रक्रियाओं को काफी सुव्यवस्थित किया है।

एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस संबंध में तेजी से निर्णय लिये जा रहे हैं और नियमित रूप से अंतर-मंत्रालयी समिति की बैठकें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मंजूरी तय समयसीमा के भीतर मिले। सरकार ने 2020 के प्रेस नोट तीन के तहत भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से विदेशी निवेश के लिए पूर्व मंजूरी को अनिवार्य कर दिया था। ये देश हैं चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। अधिकारी ने कहा कि इन देशों से लंबित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों की संख्या काफी कम है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, ''सरकार ने 2020 के प्रेस नोट 3 के तहत आने वाले आवेदनों की मंजूरी के लिए प्रक्रियाओं को काफी हद तक सुव्यवस्थित कर दिया है। इन आवेदनों पर निर्णय लेने में लगने वाला समय भी काफी कम हो गया है।''

बेंगलूरु के दासरहल्ली विधानसभा क्षेत्र के नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक में केपीसीसी के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार शामिल हुए।

कांग्रेस ने बेंगलूरु के विकास में अधिक योगदान दिया है : डी.के. शिवकुमार

2028 के चुनावों में मंजूनाथ दासरहल्ली से जीतेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस सरकारों ने बेंगलूरु के विकास में अधिक योगदान दिया है। हमारी सरकार ने बेंगलूरु के व्यापक विकास के लिए 1 लाख करोड़ रुपये की बड़ी परियोजनाएं शुरू की हैं। रविवार को उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, ने दासरहल्ली विधानसभा क्षेत्र के नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक में बात की।

उन्होंने कहा, पिछले 20 सालों में बेंगलूरु की आबादी 70 लाख से बढ़कर 1.50 करोड़ हो गई है। इसलिए हमने बेंगलूरु के विकास के लिए अगले तीन-चार सालों में 1 लाख करोड़ रुपए की योजना बनाई है। आपके निर्वाचन क्षेत्र से गुजरने वाला नेलमंगला फ्लाईओवर भाजपा ने नहीं बनाया, बल्कि कृष्णा बैरेगौड़ा के निर्वाचन क्षेत्र में एयरपोर्ट के लिए फ्लाईओवर, होसुर रोड पर फ्लाईओवर और कोलार तक डबल रोड मनमोहन सिंह सरकार के दौरान बनाए गए थे। अगर बेंगलूरु में ऐसा कोई कार्यक्रम है, तो वह भाजपा सरकार की नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार की देन है। बेंगलूरु बढ़ रहा है। इसलिए हमने ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी बनाई है। मैंने मंत्रियों और विधायकों की बैठक बुलाई है, जिसमें इस बात पर चर्चा की गई है कि इसमें कितने निगम शामिल किए जाएं। अगले हफ्ते एक और बैठक होगी और अंतिम निर्णय लिया जाएगा। हम एक निगम बनाएंगे और लोकतांत्रिक प्रणाली में चुनाव कराएंगे। नए निगम सदस्य चुने जाने चाहिए। मेरा मानना है कि भविष्य में दासरहल्ली में कांग्रेस पार्टी विधायक और पार्षद की सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में राज्य में रोजगार सृजन के लिए वैश्विक निवेशक सम्मेलन आयोजित किया था। इसमें 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए।

उन्होंने कहा,जब मैंने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था, तब मैंने एक बात कही थी। अगर महिलाएं और युवा मन लगाकर काम करें, तो राज्य में कांग्रेस की सरकार आएगी। महिलाओं को कृतज्ञता की याद रहेगी। इसलिए हमारी पांच गारंटी योजनाओं में महिलाओं को अधिक प्राथमिकता दी गई है। गारंटी योजनाओं में महिलाओं के लिए गृहलक्ष्मी, शक्ति, अन्नभाग्य और गृहलज्योति योजनाएं बनाई गई हैं। हमारी सरकार के सत्ता में आने के पहले दिन ही पांचों गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन को मंजूरी दे दी गई थी। इस प्रकार, हमने अपना वादा निभाया है। हमारी सरकार ने 2 साल पूरे कर लिए हैं और मंत्री कृष्ण बैरेगौड़ा के नेतृत्व में हमने 1,11,111 परिवारों को मुफ्त पट्टा खाते प्रदान करके छठी गारंटी योजना के तहत भूमि की गारंटी प्रदान की है।

उन्होंने कहा,मैंने पिछले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व विधायक मंजूनाथ को सारी बातें बताई थीं। मैंने उनसे कहा था कि झील में कमल सुंदर है, खेत में गेहूं सुंदर है, हाथ में दान सुंदर है और सत्ता सुंदर है। अगर मंजन्ना ने मेरी बात मानी होती, तो वे मेरे और कृष्ण बैरेगौड़ा के बीच विधानसभा में बैठे होते। मंजन्ना यहां जेडीएस पार्टी से नहीं, बल्कि अपनी योग्यता के आधार पर विधायक के तौर पर जीते हैं। अब जो हुआ उसे छोड़िए, आपको आने वाले 2028 के चुनाव में मंजन्ना को विधानसभा में बैठाना चाहिए। हमारी सरकार इस देश के लिए एक आदर्श है। अगर भाजपा भावनाओं पर राजनीति करती है, तो हम जीवन पर राजनीति करते हैं। आपका जीवन हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने समझाते हुए कहा कि हमने गारंटी योजना इस उद्देश्य से लागू की कि आप हर महीने कम से कम 5 हजार बचाएंगे लेकिन इसका फायदा आपको होगा। लोगों को महंगाई की समस्या से बचाया गया है।

उन्होंने कहा, भाजपा सरकार चार साल तक राज्य में रही लेकिन भाजपा ने ऐसी एक भी योजना नहीं दी। आपके विधायक आपको सिर्फ खोखली बातें सुना रहे हैं। वे सिर्फ खाली डिब्बे की तरह शोर मचा रहे हैं। मंजन्ना यहां हार गए। उन्होंने 8 हजार परिवारों की संपत्ति का ई-खाता बनाया है। हमारे लिए मंजूनाथ यहां के विधायक हैं। हम उनकी बात सुनेंगे।

हमने आपकी संपत्ति के रिकॉर्ड को दुरुस्त करने और उसे आपके दरवाजे तक मुफ्त पहुंचाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास शानदार रहा है कांग्रेस पार्टी ने हमेशा लोगों की जिंदगी के बारे में सोचा है। कांग्रेस पार्टी का अपना इतिहास रहा है। हाल ही में देश में युद्ध का माहौल बना था। इस मौके पर लोग इंदिरा गांधी को याद कर रहे थे।

लोग सोच रहे थे कि अगर इंदिरा गांधी होतीं तो देश का नेतृत्व कैसे करतीं। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। सोनिया गांधी ने इस देश के लिए दो बार प्रधानमंत्री पद कुर्बान कर दिया। यही कांग्रेस पार्टी की ताकत है। क्या भाजपा में कोई ऐसा है जिसने इस तरह का बलिदान दिया हो? उन्होंने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं आई हैं। पहले मुझे संदेह था कि यह महिला कांग्रेस की बैठक है। वे पुरुषों को जगह दिए बिना सड़क पर खड़ी हैं। मुझे नहीं पता कि आगामी विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के बाद हमारी स्थिति क्या होगी।

इस अवसर पर मंत्री कृष्ण बैरेगौड़ा, पूर्व विधायक आर. मंजूनाथ, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष एच.एस. मंजूनाथ, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सौम्या रेड्डी, एमएलसी सी. पुट्टन्ना, कांग्रेस नेता बी.एल. शंकर, के.सी. अशोक, लक्ष्मण मूर्ति, राजन्ना और अन्य उपस्थित थ

बेलगावी में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में 5 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। बेलगावी जिले के काकाती में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया और उसे ब्लैकमेल करने के लिए आरोपियों ने इस कृत्य का वीडियो भी बनाया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि एक अन्य को पकड़ने के लिये प्रयास किया जा रहा है।

पीड़िता ने शनिवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि अपराधियों ने कथित तौर पर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया और प्रारंभिक हमले का वीडियो बनाकर उसे धमकी दी। पुलिस के अनुसार, छह महीने पहले 15 वर्षीय लड़की को पहाड़ी इलाके में ले जाकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया।

अपराधियों ने इस यौन हमले का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसका प्रेमी उसे बहला-फुसलाकर पहाड़ी इलाके में ले गया था।

केनरा बैंक ने सभी बचत खातों में न्यूनतम शेष पर जुर्माने को खत्म किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने सभी प्रकार के बचत खातों में औसत मासिक राशि (एएमबी) की जरूरत को पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा की है। इसके तहत बैंक खाते में न्यूनतम राशि से कम जमा होने पर खाताधारक पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। इसमें बचत खाते, वेतन खाते, एनआरआई बचत खाते आदि शामिल हैं।

बैंक ने बयान में कहा कि यह आदेश एक जून, 2025 से प्रभावी हो गया है। केनरा बैंक के किसी भी बचत खाता ग्राहक को अपने खाते में न्यूनतम शेष राशि बनाए न रखने के लिए दंड या शुल्क का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे पहले, बैंक के ग्राहकों को अपने खाते के प्रकार के आधार पर न्यूनतम औसत मासिक शेष राशि बनाए रखना पड़ता था। इन मानदंडों को पूरा नहीं करने पर जुर्माना लगाया जाता था।

इस नई नीति के साथ, केनरा बैंक के सभी बचत खाताधारक अब सभी खातों के लिए किसी भी एएमबी-संबंधित दंड या शुल्क से मुक्त न्यूनतम शेष राशि पर 'कोई जुर्माना नहीं' का आनंद लेंगे।

इस कदम से वेतनभोगी व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और पहली बार बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने वालों सहित केनरा बैंक के लाखों ग्राहकों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बेंगलूरु के सदाशिव नगर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम पूछती हुईं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर।

खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी से 'आत्म-प्रशंसा' बंद करने और चुनाव प्रचार से खुद को अलग करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक भाषणों पर टिप्पणी करते हुए उनसे आत्म-प्रशंसा के बजाय दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करने और चुनाव प्रचार से खुद को अलग करने का आग्रह किया। बेंगलूरु में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, ''मैं उनके (मोदी के) सभी बयानों पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करता। लेकिन मेरा उनसे बस इतना अनुरोध है कि सत्ता में बैठे लोगों को कभी-कभी अपना मुंह बंद रखना चाहिए।''

खरगे ने प्रधानमंत्री के हालिया सार्वजनिक बयानों और राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाते हुए सुझाव दिया कि मोदी को अस्थायी तौर पर चुनाव प्रचार से दूर हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मोदी को खुद को चुनावों से अलग कर लेना चाहिए और देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्हें देश में जो कुछ भी हुआ है, उसे समझकर बोलना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''मैं बिना किसी राजनीतिक मतभेद के कह रहा हूं कि उन्हें (मोदी को) यह दावा करने के बजाय कि उनके अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सकता, दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारा पूरा समर्थन सशस्त्र बलों के साथ है।'' ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विचार-विमर्श के लिए विदेश गए हैं। उन्होंने कहा, उन्हें वापस आने दीजिए। जब तक वे वापस नहीं आ जाते, तब तक इधर-उधर घूमना और भाषण देना उचित नहीं है।''

राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति कांग्रेस पार्टी का अटूट समर्थन दोहराया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री के उस बयान पर भी कटाक्ष किया जिसमें उन्होंने कहा था कि सेना को पूरी छूट दे दी गई है। उन्होंने कहा, ''जब मोदी ने कहा है कि उन्होंने सशस्त्र बलों को पूरा अधिकार दे दिया है, तो फिर वे यह दावा क्यों कर रहे हैं कि वह उन्होंने किया? खुद की बड़ाई करना अच्छी बात नहीं है।'' संवेदनशील समय में राजनीतिक संयम की आवश्यकता पर बल देते हुए खरगे ने कहा, हम कुछ नहीं कहेंगे, क्योंकि स्थिति सामान्य नहीं है। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले तनाव के दौरान पाकिस्तान की संसद में दिखाये गए संयम का उदाहरण देते हुए कहा, ''जब भारत और पाकिस्तान के बीच झड़पें हुईं, तो पाकिस्तान की संसद में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि देश के खिलाफ कुछ भी न बोला जाए।'' उन्होंने कहा, ''जब तक सेना है, हम सभी सुरक्षित हैं। इसलिए हम सशस्त्र बलों का समर्थन करते हैं।''

रैली

रविवार को बेंगलूरु के जयनगर में साइकिल दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रीन सर्किट 2025 साइकिल रैली में लोगों ने हिस्सा लिया।

निलांबुर सीट पर उपचुनाव 'बड़े विश्वासघात' के कारण हो रहा : पिनराई विजयन

मलप्पुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को पूर्व विधायक और तृणमूल कांग्रेस के राज्य संयोजक पी. वी. अनवर की परोक्ष आलोचना करते हुए कहा कि विश्वासघात की एक बड़ी घटना के कारण राज्य के नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव हो रहा है। नीलांबुर में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए विजयन ने कहा कि एलडीएफ उम्मीदवार एम. स्वराज की सार्वजनिक छवि साफ है और मोर्चा उनके नाम पर विश्वास के साथ वोट मांग सकता है। विजयन ने कहा, ''सबसे बड़े विश्वासघात के कारण इस चुनाव की जरूरत पड़ गई। जिस समय से स्वराज को उम्मीदवार घोषित किया गया, तभी से उन्हें न सिर्फ नीलांबुर में बल्कि पूरे राज्य में मजबूत समर्थन मिला है।''मुख्यमंत्री के मुखर आलोचक अनवर ने पिनराई की नेतृत्व शैली का हवाला देते हुए कहा कि उनकी लड़ाई 'पिनराईवाद' के खिलाफ है। खिलाफत आंदोलन के दौरान एरानाड और वल्लुवनाड क्षेत्रों में 1921 के मप्पिला विद्रोह का उल्लेख करते हुए विजयन ने कहा कि नीलांबुर की भूमि वरियामकुन्नाथ कुंजाहम्मद हाजी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों की गवाह है।

दिल्ली के मद्रासी कैंप में दशकों पुरानी झुग्गियों को ध्वस्त होते देख निवासी निराश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। दक्षिण दिल्ली के जंगपुरा इलाके में स्थित मद्रासी कैंप के निवासी उस वक्त बेहद निराश हो गए जब बुलडोजर शनिवार को उनके इलाके में दाखिल हुए और उन झुग्गियों को गिराना शुरू कर दिया, जिनमें वे कई दशकों से रह रहे थे। लोगों ने चिंता जताते हुए पूछा 'अब हम कहां रहेंगे?' बारापुला के निकट बनी इस झुग्गी बस्ती को दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर हटाया जा रहा है। सड़क किनारे बैठी बुजुर्ग महिला जानकी ने कहा, मैं पिछले 60 साल से यहां रह रही हूं। मेरे बच्चे यहीं पैदा हुए, यहीं बड़े हुए। हमारी पूरी जिंदगी इसी जगह गुजरी है। अब हम सड़क पर हैं और हमें समझ नहीं आ रहा कि कहां जाएं। स्थानीय निवासियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से अपील की है कि जब तक सभी लोगों का पुनर्वास नहीं होता, तब तक किसी को बेघर न किया जाए। लगभग 370 मजदूर परिवार इस झुग्गी बस्ती में रहते थे, जो लगभग 60 सालों से अस्तित्व में है। पिछले महीने इन्हें बेदखली के नोटिस दिए गए थे। पात्र पाए गए परिवारों को नरेला में सरकार द्वारा आवंटित फ्लैटों में स्थानांतरित किया जाना था। अधिकारियों ने 12 अप्रैल को पात्र परिवारों की सूची जारी की, जिसमें केवल 189 परिवारों को फ्लैट आवंटित करने योग्य माना गया। अधिकारियों द्वारा 30 मई को निवासियों को जारी नोटिस में कहा गया था कि शुक्रवार रात 11 बजे से एक जून तक बारापुला पुल पर ट्रक खड़े रहेंगे, ताकि उनका सामान आवंटित फ्लैटों तक पहुंचाया जा सके। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट अनिल बांका ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई उच्च न्यायालय के आदेश के तहत की गई है।

इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मद्रासी कैंप में यह अभियान दिल्ली की मुख्यमंत्री के उस आश्वासन के खिलाफ प्रतीत होता है जिसमें उन्होंने कहा था कि कोई भी झुग्गी नहीं हटाई जाएगी। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को कहा कि यदि दिल्ली के मद्रासी कैंप में रह रहे राज्य के मूल निवासी अपने गृह जिले में लौटने का विकल्प चुनते हैं, तो उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद रविवार से मद्रासी कैंप क्षेत्र में जारी अभियान के कारण वहां के निवासियों के सभी कानूनी विकल्प अब समाप्त हो चुके हैं। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि मद्रासी कैंप के वे निवासी जो तमिलनाडु के अपने मूल जिलों में लौटने का विकल्प चुनते हैं, उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी और यह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के आदेशों के अनुरूप है।

द्रमुक प्रमुख स्टालिन ने नए सदस्यों के पंजीकरण के अभियान की शुरुआत की

मदुरै/दक्षिण भारत। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के नए सदस्यता अभियान 'ओरानियिल तमिलनाडु' की रविवार को शुरुआत की। स्टालिन ने पार्टी की आम परिषद की बैठक में एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें घर-घर जाकर अभियान चलाने और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं अधिकारों की रक्षा के लिए उसके संघर्ष के बारे में लोगों को बताने का संकल्प लिया गया। पार्टी ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम 30 प्रतिशत मतदाताओं को सदस्य के रूप में पंजीकृत करने का लक्ष्य रखा और प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। स्टालिन ने कहा कि हर घर में कम से कम एक व्यक्ति द्रविड़ मॉडल सरकार की कल्याणकारी योजना का लाभार्थी है जो सबके लिए ''सबकुछ'' की नीति पर काम करती है।

सीएसआईआर-सीआईएमएपी अनुसंधान केंद्र में कृषि मेला आयोजित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा देने तथा इस क्षेत्र में उद्यमशीलता को सहयोग देने के लिए सीएसआईआर-सीआईएमएपी अनुसंधान केंद्र, बेंगलूरु में कृषि मेला आयोजित किया गया। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने सीआईएमएपी के सहयोग, खासकर सीएसआईआर अरोमा मिशन के जरिए किसानों की आय बढ़ाने में सीआईएमएपी की भूमिका पर प्रकाश डाला, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में उल्लेख किया था। मंत्री ने प्रयोगशालाओं का दौरा भी किया। इस दौरान वैज्ञानिकों और छात्रों से बातचीत की तथा किसानों के लिए वैज्ञानिकों के योगदान की सराहना की। इस कार्यक्रम में 500 किसानों और 30 उद्यमियों ने भाग लिया।

राज्यसभा चुनाव : अन्नाद्रमुक ने उम्मीदवार घोषित किये

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने 19 जून को राज्य की छह राज्यसभा सीट के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए रविवार को दो उम्मीदवारों की घोषणा की। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने पार्टी की अधिवक्ता इकाई सचिव और पूर्व विधायक आई एस इनबादुरई और अन्नाद्रमुक के चेंगलपेट-पूर्व जिला पार्टी प्रेसीडियम चेयरमैन एवं पूर्व विधायक एम. धनपाल को चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया।

पाट्टाली मक्कल कॉची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदास और मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) नेता वाइको सहित तमिलनाडु के छह मौजूदा राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल 24 जुलाई 2025 समाप्त होने की वजह से ये सीट रिक्त हुई हैं। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधानसभा में पार्टी एवं सहयोगियों के संख्याबल के आधार पर छह में से चार सीट आसानी से जीत सकती है जबकि अन्नाद्रमुक भाजपा सहित अपने अन्य सहयोगियों की मदद से दो सीट जीत सकती है।

विपक्ष को एकबार तय कर लेना चाहिए कि वे प्रधानमंत्री से क्या सुनना चाहते हैं? : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विपक्ष की विशेष सत्र बुलाने की व्याकुलता पर कहा कि 20-25 दिन में मानसून सत्र प्रारंभ होने वाला है, तब उन्हें (विपक्ष) को सवाल करने का पूरा मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के पास छुपाने के लिए कुछ भी नहीं है। रविवार को शेखावत ने अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्ष के संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग पर शेखावत ने कहा कि लोकतंत्र में संसद के दोनों सदनों में अपनी बात को पूछने की समुचित व्यवस्थाएं हैं। उनके (विपक्ष) मन की हर तरह की संशय के समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास खाने के लिए ठोस कुछ नहीं होता, तब ऐसे विषयों को खड़ा करके ध्यान अपनी और आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर शेखावत ने कहा कि विश्व ने भारत के शौर्य और पराक्रम को चमत्कृत दृष्टि से देखा है।

विपक्ष के नेताओं की बयानबाजी पर शेखावत ने कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं की बातें सुनकर कभी-कभी हंसी आती है। जब पीएम मोदी बोलते हैं, तब कांग्रेस के सारे नेता मिलकर कहते हैं कि पीएम मोदी सिर्फ बोलते हैं। जब पीएम मोदी नहीं बोलते तो कहते हैं, तब कहते हैं कि पीएम मोदी बोलते नहीं हैं। मुझे लगता है कि उन्हें एक बार तय कर लेना चाहिए कि वे प्रधानमंत्री जी से क्या सुनना चाहते हैं? यदि बोलने का विषय है तो मुझे लगता है कि पिछले 3 दिनों में देश के 3 अलग-अलग हिस्सों में प्रधानमंत्री जी ने देश की वर्तमान स्थिति, ऑपरेशन सिंदूर और उन सभी मुद्दों पर विस्तार से बात की है, जिन पर विपक्ष जानना चाहता है।

पूर्व कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे सालेह मोहम्मद के निजी सचिव को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार करने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उनसे जुड़े सारे सूत्रों और तथ्यों की गहराई के साथ जांच होनी चाहिए। ऐसे लोग, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के साथ में जानबूझकर खिलवाड़ किया है, चाहे वो पूर्व मंत्री हो या अन्य कोई, सबकी गहराई के साथ जांच होनी चाहिए। उनके हर संपर्क और सूची की जांच होनी चाहिए। ऐसे राष्ट्र विरोधी तत्वों को किए की सजा मिलनी ही चाहिए। ब्रिक्स में भारत के प्रतिनिधित्व पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में विश्व का भारत की ओर देखने का नजरिया बदला है। आज भारत को देखकर लोग चमत्कृत हैं। विश्व के किसी भी प्लेटफार्म पर भारत को अनदेखा करके निर्णय नहीं हो सकता है। पिछले 11 वर्षों में विदेश नीति को भारत के हित में लागू किया है। प्रधानमंत्री जी ने अपने व्यक्तिगत संबंधों से जिस तरह से कूटनीति संबंध स्थापित किए हैं, उसी का परिणाम है कि आज भारत हर स्टेज पर सेंटर स्टेज है, जो विषय हमने जी-20 के समय उठाए थे, उन सभी विषयों को आगे ले जाने का कार्य ब्रिक्स की समिट में किया गया है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मुझे ब्रिक्स के मंत्री समूह की बैठक के लिए ब्राज़ील जाने के बीच में लंदन में प्रवासी भारतीयों से मिलने का मौका मिला। प्रवासी भारतीय विदेशों में भारत के अग्रदूत की तरह कार्य करते हैं। अनेक पीढ़ियां बीत जाने के बाद में भी अपने जड़ो और सांस्कृतिक मान्यताओं के साथ में जुड़े हुए हैं। हम सभी को यह प्रेरित भी करता है।

देश की जनता संविधान को कमजोर नहीं होने देगी : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि संविधान के टुकड़े करने के उसके सपने को देश की जनता कभी सच नहीं होने देगी। जूली रविवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के डाढा गांव में भारत रत्न डा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि डा अंबेडकर द्वारा बनाए गए विश्व के सबसे बड़े संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी के साथ पूरा देश एकजुट होकर तैयार खड़ा है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे देश में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश के हालात बद से बदतर हो गए हैं । उन्होंने कहा कि डा अम्बेडकर संविधान निर्माता ही नहीं बल्कि दिग्गज अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने सिंबल ऑफ नॉलेज का जो कीर्तिमान हासिल किया उसकी गूंज विदेशों तक भी है, साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले डा अंबेडकर ने शिक्षा के क्षेत्र में देश को विकास की दिशा में ले जाने की नींव रखी। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के आर्थिक ढांचे को विकसित करने तथा आर्थिक सिद्धांतों और उनके विश्लेषण में उनका अतुलनीय योगदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

सरिस्का बाघ संरक्षण अभयारण्य में बाघिन एसटी-19 ने चार शावकों को दिया जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य में एक बाघिन ने चार शावकों को जन्म दिया है। वन विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि इसकी पहली तस्वीर सामने आते ही सरिस्का प्रशासन, वन्य जीव प्रेमियों और वन विभाग के अधिकारियों में खुशी के लहर दौड़ गई है। इनके साथ ही अब इनकी संख्या बढ़कर 48 हो गई है। वहीं सरिस्का में शावकों की संख्या भी बढ़ गई है। सूत्रों ने बताया कि इसे वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। यह बाघ पुनर्स्थापन कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बताया जा रहा है कि सरिस्का में बाघिन ने एसटी-19 ने अलवर के आबादी क्षेत्र से लगते बरेली बाड़ी क्षेत्र में चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही एसटी 19, सरिस्का की तीसरी ऐसी बाघिन बन गई है जिसने चार शावकों को जन्म दिया है।

इससे पहले एसटी-12 और एसटी -22 भी चार चार शावकों को जन्म दे चुकी हैं। सरिस्का में फिलहाल नर बाघ 11 और बाघिन 18 हैं जबकि शावकों की संख्या भी बढ़कर 19 हो गई है।

सूत्रों ने बताया कि कैमरा और गश्त के माध्यम से शावकों की उपस्थिति की पुष्टि की गई है। प्रारंभिक निरीक्षण में बाघिन और शावक स्वस्थ पाए गए हैं और वे अपने प्राकृतिक वातावरण में अच्छी तरह ढल रहे हैं। क्षेत्र में आमजन की आवाजाही सीमित कर दी गयी है, जिससे किसी भी प्रकार की मानवीय हस्तक्षेप से उन्हें सुरक्षा प्रदान की जा सके। विशेष निगरानी दल लगातार क्षेत्र में नज़र रखे हुए हैं।

अलमारी में मिला बालिका का शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान में बारां जिले के भंवरगढ़ थाना क्षेत्र में जेतपुरा गांव में एक मकान में अलमारी में चार वर्षीय बालिका का शव मिला है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी ने रविवार को बताया कि शनिवार को जैतपुरा निवासी जयराम बैरवा ने भंवरगढ़ थाने में सूचना दी कि उसके घर के कमरे में रखी अलमारी में दुर्गंध आ रही है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और अलमारी को खोलकर देखा तो उसमें एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे में एक बच्ची का चुन्नी से बंधा हुआ शव मिला।

उन्होंने बताया कि जयराम बैरवा ने बताया कि बच्ची का नाम इशिका था, जो उसके बेटे महावीर की लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला रोशनबाई की लड़की थी। चौधरी ने बताया कि महावीर और रोशनबाई ने जयपुर में बच्ची की हत्या की है।

शव सुबूत नष्ट करने के इरादे से जैतपुरा गांव लाया गया। उधर थानाधिकारी राजेश मीणा ने बताया कि महावीर 29 मई को जैतपुरा आया था। महावीर और रोशन के बीच झगड़ा हुआ था। उस झगड़े की गवाह मासूम बच्ची इशिका थी। उन्होंने बताया कि महावीर हत्या के मामले में आठ वर्ष जेल में रह चुका है। वर्ष 2022 में एक किसान की हत्या के आरोप में महावीर फिर जेल गया था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, मारपीट, चोरी के करीब 15 मामले दर्ज हैं। चौधरी ने बताया कि पुलिस ने जीरो नंबर प्राथमिकी दर्ज करके सूचना जयपुर आयुक्तालय मुहाना थाना को भिजवा दी है। मुहाना पुलिस पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

पाक जासूसी नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध के ठिकाने पर एनआईए का छापा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की। एनआईए की टीम ने राज्य के एक अहम ठिकाने पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स से जुड़े संदिग्धों की भूमिका की जांच के तहत की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, एनआईए को इनपुट मिला था कि राजस्थान में कुछ व्यक्ति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से संपर्क में हैं और गोपनीय जानकारी साझा कर रहे हैं। इस आधार पर जयपुर सहित अन्य स्थानों पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान टीम को कई डिजिटल डिवाइस, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े कागज़ात और अन्य आपत्तिजनक सामग्री हाथ लगी है।

एनआईए की जांच में सामने आया है कि संदिग्धों को पाकिस्तान से हवाला के जरिये फंडिंग हो रही थी और वे भारत की सामरिक जानकारियां लीक कर रहे थे। यह जासूसी नेटवर्क 2023 से सक्रिय बताया जा रहा है, जिसकी कड़ी राजस्थान से भी जुड़ती दिख रही है। एनआईए पहले ही इस केस को गंभीर मानते हुए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम 1923 और यूएपीए एक्ट 1967 सहित अन्य धाराओं के तहत दर्ज कर चुकी है। राजस्थान में की गई कार्रवाई को जांच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर एक साथ बड़ी छापेमारी की। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (झखजी) से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ की गई। एनआईए ने जिन राज्यों में छापे मारे उनमें दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान टीमों ने संदिग्धों के ठिकानों से कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। ये सभी सबूत पाकिस्तान के इशारे पर भारत में चल रहे जासूसी नेटवर्क की जांच के तहत खंगाले जा रहे हैं। जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के यहां छापे मारे गए, उनके पाकिस्तान स्थित जासूसी नेटवर्क से सीधे संपर्क थे। यह भी पता चला है कि इन लोगों को भारत में जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वित्तीय मदद मिल रही थी।

देवनानी ने नड्डा को राजस्थान विधानसभा में नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक की भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को उनके जयपुर प्रवास पर राजस्थान विधानसभा में नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक भेंट की। नड्डा का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए शनिवार सायं देवनानी ने कहा कि आपके राजनैतिक कौशल और कर्मठ व्यक्तिव ने नए प्रतिमान स्थापित किये है।

केंद्रीय मंत्री के तौर पर आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचा है ।साथ ही रसायन और उर्वरक क्षेत्र में भी विकास के नए आयाम जुड़े हैं।

भजनलाल केंद्र सरकार की कठपुतली : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में शनिवार को लोकसभा प्रत्याशी प्रह्लाद गुंजल के नेतृत्व में दधीच गार्डन में 'संविधान बचाओ रैली' आयोजित हुई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधा और उन्हें केंद्र सरकार की कठपुतली बताया। गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी सरकार ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण कानून बना दिया, लेकिन आज तक कानून लागू नहीं किया।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को घेरते हुए उन्होंने कहा, वह कभी-कभी सरकार पर टोटका कर देते हैं। किरोड़ी (लाल मीणा) को एक साल तक तो पता ही नहीं लगा कि वह किस विभाग के मंत्री हैं। कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री के बारे में कहा, हमें गाली दे-देकर उन्हें टॉन्सिल हो गया है। हमें मगरमच्छ बताने वालों के लिए जेल के गेट चौड़े करवाने पड़ेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के राजस्थान प्रवास को लेकर भी डोटासरा ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, जे.पी. नड्डा ने साफ और स्पष्ट कह दिया है कि भजन लाल को मुख्यमंत्री मत मानो। हमारी विचारधारा से राजस्थान में सरकार चल रही है।

उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत होगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, सत्ता में बैठी भाजपा बार-बार बाबा साहेब अंबेडकर के दिए संविधान पर प्रहार करके इसे खत्म करने का प्रयास कर रही है। ये लोग एजेंसियों और सत्ता के दुरुपयोग से नागरिकों के अधिकारों को कुचलना चाहते हैं। हमें इस अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ लड़ना होगा। संविधान हर वर्ग के हित की रक्षा करता है, संविधान की रक्षा में ही देश के नागरिकों की सुरक्षा है। वहीं, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, संविधान में कहीं नहीं लिखा कि पर्ची से सीएम बनेगा, लेकिन बीजेपी ने बना दिया। इस तरह यह संविधान को तार-तार कर रहे हैं। आयरन लेडी इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। उसके बाद जाकर अमेरिका से बात की थी। लेकिन आज अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर करवा रहे हैं।

राजस्थान के कई इलाकों में आंधी एवं बारिश का अनुमान

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के कारण राजस्थान के कई इलाकों में सोमवार से आंधी चलने एवं बारिश होने का अनुमान है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, दो जून यानी सोमवार से पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय होने का अनुमान है जिसके कारण दो से चार जून तक कई इलाकों में बादल गरजने, 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने तथा बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम केंद्र ने बताया कि अगले सप्ताह अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान है। उसने बताया कि रविवार सुबह तक बीते 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक वर्षा कामां (भरतपुर) में 10 मिलीमीटर दर्ज की गई।

देवालयों से अब नशा मुक्ति का संदेश, जयपुर में चला 'व्यसन मुक्त संकल्प' अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। छोटीकाशी के सभी प्रमुख देवालयों से अब व्यसन मुक्ति का संदेश भी दिया जाएगा। मंदिर के महंत-पुजारी भक्तों को सभी तरह के नशों से बचने की प्रेरणा देंगे। इस आशय का निर्णय रविवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य और स्वामी अवधेशाचार्य महाराज की अध्यक्षता में हुए व्यसन मुक्त जयपुर संकल्प समारोह में लिया गया। मंदिर श्री गोविंद देवजी प्रबंधन के मार्गदर्शन में अखिल विश्व गायत्री परिवार, जयपुर की अगुवाई में हुए आयोजन में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से नशा मुक्त जयपुर अभियान चलाने का निर्णय लिया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में शिरकत की।

इस मौके पर गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने दर्शनार्थियों के समक्ष झोली फैलाकर तम्बाकू उत्पादों का दान करने की याचना की। लोगों से बीड़ी, सिगरेट, गुटखा सहित अन्य नशीले उत्पाद की भीख मांगी तो कई लोगों ने गुटखा और पान मसाला झोली में डाले। पंच कुंडीय व्यसन मुक्ति महायज्ञ और व्यसन मुक्त जयपुर संकल्प समारोह के मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा थे। उन्होंने कहा कि जल्द ही प्रदेश नशा मुक्त होगा। सरकार ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। शीघ्र ही इसके परिणाम मिलेंगे। गायत्री परिवार राजस्थान जोन के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी के सचिव धर्मवीर कटेवा ने कहा कि गुलाबी नगरी को गुटखा और पान खाकर लोग गंदा करने से बाज आएं। कार्यक्रम के दौरान संत-महंत और नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर संगठनों के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नाम सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा को आठ सूत्री ज्ञापन भी सौंपा। इसमें राजस्थान में पूर्ण शराबबंदी लागू करने, पूर्ण शराबबंदी लागू होने तक प्रदेश में शराब खरीदने और पीने की आयु 18 से 25 वर्ष करने, खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ उठाने वाले परिवारों पर शराब का सेवन नहीं करने की शर्त जोड़ने, राजस्थान प्रदेश में तम्बाकू उत्पादों पर अधिकतम टैक्स लगाने, तम्बाकू उत्पादों की बिक्री बिना लाइसेंस प्रतिबंधित करने की मांग की गई।

'अपना घर संभालें, हमारे यहां सब व्यवस्थित है': मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के सवालों का करारा जवाब देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कोई अंतर्कलह नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि ये लोग हमारे यहां अंतर्कलह ढूंढ रहे हैं, जबकि खुद आपसी खींचतान में उलझे हुए हैं। राठौड़ ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि डोटासरा और टीकाराम जूली एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं। डोटासरा ने तो सदन में ऐसा व्यवहार किया है कि अब वे शर्म के मारे विधानसभा नहीं आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस को दूसरों पर टिप्पणी करने से पहले अपना घर संभालना चाहिए। हमारे यहां तो सब कुछ व्यवस्थित और अनुशासित तरीके से चल रहा है। पार्टी नेतृत्व भी हमारे कार्यों की सराहना कर रहा है।

डोटासरा के उस बयान पर कि सरकार में मंत्रियों से ज्यादा तो उनकी चल रही है, राठौड़ ने कहा कि अगर उनकी ज्यादा चल रही है तो यह पारदर्शिता का प्रमाण है। उनको खुशी होनी चाहिए कि सभी की बात सुनी जा रही है। हमारा उद्देश्य प्रदेश का विकास है और हमने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि जनहित के कार्यों में कोई कोताही न हो।

अहिल्याबाई से प्रेरित भारतीय सेना ने पाकिस्तानी हवाई रक्षा प्रणाली को ध्वस्त किया : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने मालवा साम्राज्य को आत्मरक्षा के गुण सिखाए और आज भारत की सेना उसी प्रेरणा से ''सर्जिकल स्ट्राइक'' और हवाई हमले करती है।

वह रविवार को यहां 'लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान-2025' के तहत आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, लोकमाता ने मालवा साम्राज्य को आत्मरक्षा के गुण सिखाए। आज भारत की सेना उसी प्रेरणा से सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमले करती है। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान आतंकियों को पालता है, तो भारत घुसकर मारता है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दुश्मन को झुकने के लिए मजबूर किया। यह लोकमाता के विराट व्यक्तित्व की प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर मालवा साम्राज्य की महारानी थीं, जिसका विस्तार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों तक था। मुगल कालखंड में जब विदेशी आक्रांताओं ने भारत की अस्मिता और आस्था के प्रतीकों, खासकर मंदिरों को नष्ट और भ्रष्ट किया, तब देवी अहिल्याबाई ने ढाई सौ साल पहले इनके पुनरुद्धार का महान कार्य किया। उन्होंने इस समारोह को लोकमाता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक माध्यम बताया।

उपराष्ट्रपति ने की योगी आदित्यनाथ की अहिल्याबाई होल्कर से तुलना

आगरा (उप्र)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना राजमाता अहिल्याबाई होल्कर से करते हुए कहा कि अहिल्याबाई की सोच ''विधि की रचना'' की तरह आदित्यनाथ में आ गई है और आने वाली पीढ़ियां मुख्यमंत्री के कार्यों को उसी तरह याद करेंगी जैसे हम आज लोकमाता अहिल्याबाई के कामों की करते हैं। धनखड़ ने अहिल्याबाई होल्कर के 300वें जयंती वर्ष के स्मृति अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती महज एक तारीख या ऐतिहासिक घटना नहीं है। उन्होंने कहा, ''यह हम सबके लिए जीवन दर्शन है। उस कठिन समय में वह महान भारत की परंपरा की प्रतिनिधि थीं जहां धर्म, संस्कृति और शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते थे। लोकमाता अहिल्याबाई ने मंदिर बनवाए। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम और न जाने कितने मंदिर उनके हाथ से संजीवित हुए। ऐसे मौके पर मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के संदर्भ में भी कहना चाहूंगा जो लोक माता अहिल्याबाई होल्कर ने किया, उत्तर प्रदेश के आज के मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की काया पलट दी।

तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठ की टिप्पणी को लेकर अमित शाह पर पलटवार किया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस आरोप पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। पार्टी ने कहा कि सीमा सुरक्षा बीएसएफ की जिम्मेदारी है जो केंद्र सरकार के अधीन काम करती है।

दो दिवसीय बंगाल दौरे पर आए शाह ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को रोकने में केंद्र के साथ सहयोग नहीं कर रही है।

तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, ''सीमा पार से घुसपैठ को रोकना पूरी तरह बीएसएफ की जिम्मेदारी है। तृणमूल कांग्रेस सीमाओं की रखवाली नहीं कर रही है, यह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का काम है, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है। अगर कोई मुद्दा है, तो इसे केंद्र द्वारा सुलझाया जाना चाहिए। सीमा मुद्दों के लिए राज्य प्रशासन को दोषी

मुर्शिदाबाद दंगों के दौरान लोगों पर हुए हमलों का बदला लिया जाएगा: शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि मुर्शिदाबाद दंगों के दौरान लोगों पर हुए हमलों का बदला लिया जाएगा और पार्टी उन लोगों को सबक सिखाएगी जिन्होंने लोगों की हत्या की साजिश रची थी।

तृणमूल कांग्रेस सरकार पर अप्रैल में धुलियान, शमशेरगंज और जिले के अन्य इलाकों में बड़े पैमाने पर आगजनी और हिंदुओं पर सशस्त्र हमलों के दौरान चुपचाप सब देखने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, अगर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) लोगों की जान और संपत्ति बचाने के लिए आगे नहीं आता, तो जिले में बदतर स्थिति हो सकती थी। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा,राज्य ने बीएसएफ को नहीं बुलाया, जबकि उसके पुलिस बल घटनास्थल से भाग गए या दूर से आगजनी और लूटपाट होते देखते रहे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीएसएफ की तैनाती को संभव बनाया क्योंकि हमने कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया। अधिकारी नेताजी इंडोर स्टेडियम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा की 'विजय संकल्प रैली' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, अमित शाह जी ने मुर्शिदाबाद के दंगा प्रभावित इलाकों में बीएसएफ को तुरंत तैनात करके शांति स्थापित की और लोगों की जान बचाई। उन्होंने कहा, हम उन इलाकों में लोगों, खासकर हिंदुओं पर हुए हमलों का उचित समय पर बदला लेंगे। हर अत्याचार, सशस्त्र हमले, हत्या की हर घटना का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शाह ने उन हिंदुओं को सीएए के तहत नागरिकता देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्हें पड़ोसी देशों से भागने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने कोलकाता में पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित बितान आदिलकारी की पत्नी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, जब यह मामला अमित जी के संज्ञान में लाया गया, तो जल्द से जल्द इसका समाधान किया गया। राज्य प्रशासन के असहयोग से निराश न हों।

सजा सुनाए जाने के बाद अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता खत्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। नफरत भरा भाषण देने के मामले में दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश की मऊ सदर सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी की विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई है।

विधानसभा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता खत्म कर दी गई है और मऊ सदर सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया है।

मऊ सदर सीट से सुभासपा के विधायक और पूर्व बाहुबली राजनेता मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने नफरत भरे भाषण के मामले में दोषी करार देते हुए शनिवार को दो साल की सजा सुनायी थी।

इस बीच, सुभासपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''वह (अब्बास अंसारी) पार्टी के विधायक हैं। अदालत ने अपना फैसला सुना दिया है। हम अपना पक्ष रखने के लिए उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।''

शाह ने कोलकाता में सीएफएसएल के नए भवन का उद्घाटन किया, आधुनिकीकरण पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मामलों को सुलझाने में फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका की सराहना की और कहा कि केंद्र ने देश में फोरेंसिक बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए 2,800 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है।

शाह ने कहा कि 1300 करोड़ रुपए की लागत से एनएफएसयू के नौ और परिसर बनेंगे और 860 करोड़ रुपए की लागत से उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल और बिहार में सात नई प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कोलकाता के निकट राजारहाट में केंद्रीय न्यायलिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) के नए भवन का रविवार को उद्घाटन करते हुए कहा कि इससे पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में जटिल मामलों की जांच के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हम 2080 करोड़ रुपए की फॉरेंसिक क्षमताओं के आधुनिकीकरण की योजना भी ला रहे हैं और 200 करोड़ रुपए की लागत से नेशनल फॉरेंसिक डेटा सेंटर की स्थापना भी करने की योजना है, जिसके जरिये हम आंकड़ों का एक विशाल भंडार संग्रहीत कर सकेंगे और कृत्रिम मेधा (एआई) के माध्यम से उसका विश्लेषण किया जा सकेगा, जिससे विश्वसनीय, साक्ष्य-आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली को लागू करने की प्रक्रिया बहुत आसान हो जाएगी।

शाह ने सीएफएसएल के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह प्रयोगशाला पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर में आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।'' शाह ने कहा कि यह प्रयोगशाला सुरक्षित, पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली बनाने के केंद्र सरकार के दीर्घकालिक प्रयासों की दिशा में मील का पत्थर है। गृह मंत्री ने आपराधिक कानूनों में हाल में किए गए सुधारों के प्रभाव का भी उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद ''हमने 60 प्रतिशत मामलों में 60 दिन के भीतर आरोपपत्र दायर होते हुए देखे हैं।''

सीडीएस की टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने तत्काल संसद सत्र बुलाने पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान द्वारा किये गये खुलासे के मद्देनजर सैन्य एवं विदेश नीति से संबंधित रणनीति पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाने की रविवार को मांग की।

कांग्रेस ने यह भी मांग की कि सरकार सभी दलों और पूरे देश को विश्वास में ले तथा ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीति पर चर्चा करे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री को सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं को वह बताना चाहिए था कि जो जनरल चौहान ने सिंगापुर में कहा है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर पर कुछ महत्वपूर्ण बयान सिंगापुर में दिए हैं। बेहतर होता कि प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री ने पहले सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं को इस बारे में जानकारी दी होती।'' रमेश ने कहा, ''जनरल चौहान के बयानों से ऑपरेशन सिंदूर के बाद के दौर में व्यापक रणनीतिक विदेश नीति और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद की तत्काल बैठक बुलाने के मामले को बल मिलता है।'' शनिवार को सिंगापुर में जनरल चौहान ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष में विमान के नुकसान के बाद भारत ने अपनी रणनीति में सुधार किया और पाकिस्तानी क्षेत्र में काफी अंदर तक हमला किया। उन्होंने छह भारतीय विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को भी बिल्कुल गलत बताया।

जनरल चौहान ने 'ब्लूमबर्ग टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि भारत ने शुरुआती नुकसान के कारणों का पता लगाने के बाद पाकिस्तान पर पलटवार करने के लिए अपने सभी लड़ाकू विमान उड़ाये और सटीक हमले किए। रमेश ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि इस तरह के बयान सीडीएस की ओर से सिंगापुर से आ रहे हैं।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, अमित शाह ने मुख्यमंत्री से हालात की जानकारी ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/रंगिया/जोरहाट/भाषा। असम में रविवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। राज्य की 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और 15 से अधिक जिलों में 78,000 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और हरसंभव सहायता की पेशकश की।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक आठ लोगों की मौत हुई और 15 से अधिक जिलों के 78,000 से अधिक निवासी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ और भूस्खलन से सड़क परिवहन, रेल यातायात और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने बाढ़ की गंभीर स्थिति के मद्देनजर राज्य के लिए 'ऑरेंज बुलेटिन' जारी किया है। आयोग के मुताबिक ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इस बीच, शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को फोन कर राज्य की स्थिति का जायजा लिया।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने असम में बाढ़ के बारे में जानकारी लेने के लिए कुछ देर पहले मुझे फोन किया और मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए हर संभव सहायता की पेशकश की।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने उन्हें उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी है और हम उनके सहयोग के लिए आभारी हैं।'' पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटों में हुई भारी बारिश और बरईग्राम-दुल्लभछड़ा खंड पर पटरियों के ऊपर से पानी बहने के कारण दुल्लभछड़ा-सिलचर सवारी गाड़ी, सिलचर-दुल्लभछड़ा सवारी गाड़ी और बदरपुर-दुल्लाभछ ड़ा-बदरपुर सवारी गाड़ी को दो दिन के लिए रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी-दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी ट्रेन को बाराईग्राम से ही शुरू किया जाएगा तथा मंगलवार तक बाराईग्राम और दुल्लभछड़ा के बीच यह ट्रेन रद्द रहेगी।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार से कामरूप जिले के चायगांव क्षेत्र के शिंगरा शालनीबाड़ी के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग-17 के बड़े हिस्से पर पानी भर गया है जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के साथ-साथ पड़ोसी राज्य मेघालय से आने वाला पानी स्थिति को और गंभीर बना रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि वैकल्पिक मार्गों के जरिए यातायात सुगम बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि ब्रह्मपुत्र नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण जोरहाट और माजुली के बीच नौका सेवाएं तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दी गई हैं।

सीडब्ल्यूसी के बुलेटिन में कहा गया है कि डिब्रूगढ़ और निमती घाट (जोरहाट) में ब्रह्मपुत्र नदी खतरे के निशान से ऊपर प्रवाहित हो रही है।

अन्य नदियां जो खतरे के निशान को पार कर गई हैं उनमें घारमुरा (हैलाकांडी) में धलेश्वरी नदी, ढोलाई (कछार) में रुकनी, मटिजुरी (हैलाकांडी) में कटखल, बदरपुर घाट (श्रीभूमि) में बराक, नुमालीगढ़ (गोलाघाट) में धनसिरी और कांपुर (नगांव) में कोपिली शामिल हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन (एएसडीएमए) के बुलेटिन के अनुसार शनिवार शाम तक भूस्खलन से पांच और बाढ़ से तीन लोगों की जान जा चुकी थी।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राज्य के पश्चिमी हिस्से के तीन जिलों में 'रेड अलर्ट' और आठ जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया था।

बिहार: दुष्कर्म पीड़िता की पटना के अस्पताल में मौत

पटना/भाषा। बिहार के मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म के बाद जीवन के लिए संघर्ष कर रही एक नाबालिग लड़की की रविवार को एक सरकारी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि नाबालिग लड़की के साथ 26 मई को मुजफ्फरपुर स्थित उसके गांव में दुष्कर्म किया गया था और उसे शनिवार को गंभीर हालत में पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) लाया गया था।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजेश राम ने आरोप लगाया कि पीएमसीएच स्थानांतरित की गई दुष्कर्म पीड़िता को शनिवार को कथित तौर पर अस्पताल में बिस्तर उपलब्ध न होने के कारण कई घंटे तक एम्बुलेंस में इंतजार करना पड़ा।

कांग्रेस नेता राजेश राम ने दावा किया कि घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो सरकार और अस्पताल प्रशासन की असंवेदनशीलता को उजागर करता है।

'पीटीआई-भाषा' वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका।

पाकिस्तान के साथ अगली बातचीत पीओके को वापस लेने पर होनी चाहिए: अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। मलेशिया की यात्रा पर गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ अगली बातचीत केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने पर होनी चाहिए।

कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत में बनर्जी ने कहा, ''विभिन्न सरकारों के बदलने के बावजूद हम दशकों से उनके (पाकिस्तान के) साथ बातचीत कर रहे हैं। लेकिन एक चीज बरकरार है - पाकिस्तान के साथ गतिरोध।'' जद (यू) के राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल बनर्जी ने कहा, ''22 अप्रैल को जो कुछ हुआ, जिसमें 26 लोगों की सिर्फ उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी गई...मैं चाहता हूं कि सरकार पाकिस्तान के साथ सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के मुद्दे पर बातचीत करे। अन्यथा, ये आतंकवादी हमले जारी रहेंगे।'' भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके पर ही होगी। प्रवासी समुदाय के साथ बातचीत के दौरान, झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख से अवगत कराया। सदस्यों ने प्रतिभागियों को दशकों से भारत को प्रभावित करने वाले सीमा पार आतंकवाद, विशेष रूप से पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के बारे में जानकारी दी। कुआलालंपुर स्थित भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रवासी समुदाय के सदस्यों को भारत के संदेश को विभिन्न समुदायों और मंचों पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस संवाद में भारतीय प्रवासी सदस्यों के विचार भी सुने गए, जिनमें मलेशियाई भारतीय मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल थे, जिन्होंने सीमा पार आतंकवादी हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा की।'' बनर्जी ने कहा 22 अप्रैल के हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के न्याय करने और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए दो सप्ताह तक इंतजार किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

वायुसेना ने असम-अरुणाचल सीमा पर उफनती नदी में फंसे 14 लोगों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिनसुकिया (असम)/भाषा। असम-अरुणाचल सीमा पर उफनती बोमजीर नदी में फंसे चौदह लोगों को रविवार को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के जवानों ने बचा लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

तिनसुकिया के जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल ने कहा कि उनके अनुरोध पर सुबह के समय बचाव अभियान चलाया गया।

पॉल ने कहा, एक साहसिक बचाव अभियान में उफनती बोमजीर नदी में फंसे 14 लोगों को भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर द्वारा बचाया गया। उन्होंने कहा, क्षेत्र में लगातार बारिश से बढ़ते जलस्तर के कारण ये लोग फंस गए थे। जिला प्रशासन ने बचाव योजना पर काम करने के लिए भारतीय वायुसेना और अरुणाचल प्रदेश के अधिकारियों के साथ तुरंत तालमेल किया।

सदिया के राजस्व क्षेत्राधिकारी जयदीप रजक ने अभियान की देखरेख की। बचाए गए लोगों में तिनसुकिया जिले के 13 लोग और अरुणाचल प्रदेश का एक व्यक्ति है।

अधिकारी ने बताया कि सभी 14 लोगों को उनके घरों को भेज दिया गया है।

पॉल ने समय पर हस्तक्षेप करने तथा फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बचाने के लिए भारतीय वायुसेना को धन्यवाद दिया।

गद्दारों ने तेजस्वी और मेरे बीच फूट डालने की कोशिश की : राजद से निष्कासन पर बोले तेजप्रताप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। अपने पिता लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से हाल ही में निकाले जाने पर चुप्पी तोड़ते हुए तेजप्रताप यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि उनके और छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच दरार डालने की साजिश रची जा रही है।

पार्टी से निष्कासित किये जाने के एक हफ्ते बाद बिहार के पूर्व मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। तेजप्रताप यादव ने रविवार को दावा किया कि पार्टी में 'जयचंद' जैसे कुछ लालची लोग उनके खिलाफ राजनीति कर रहे हैं।

महाभारत के प्रतीकात्मक चित्रण का सहारा लेते हुए यादव ने लिखा, मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नही हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो लेकिन खुद कृष्ण को नहीं। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, बस मेरे भाई भरोसा रखना मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी।

लालू प्रसाद और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने इससे पहले एक अन्य पोस्ट में लिखा था, मेरे प्यारे मम्मी पापा.... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर हैं आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप हैं तो सबकुछ है मेरे पास। मुझे बस आपका विश्वास और प्यार चाहिए, इससे ज्यादा कुछ नहीं।'' उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा था, पापा आप नहीं होते तो ये पार्टी नहीं होती। कुछ जयचंद जैसे लालची लोगों ने मेरे खिलाफ साजिश की। बस मम्मी पापा आप दोनों हमेशा स्वस्थ और खुश रहें।

तेजप्रताप को 25 मई को उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था और उनके साथ सभी पारिवारिक संबंध तोड़ दिए थे।

सुविचार

कृष्ण की मुरली और राधा की साधना से बड़ा कोई तप नहीं, क्योंकि दोनों ही पूर्णता के मार्ग हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एकजुटता का समय

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान प्रारंभिक नुकसान के कारणों का पता लगाने के संबंध में जो टिप्पणी की, उसे आधार बनाकर कुछ नेताओं ने जिस तरह का माहौल बनाने की कोशिश की है, उससे परहेज करना चाहिए। यह न भूलें कि अभी भारत-पाक संबंधों में तनाव है। हमारा पड़ोसी देश कब आतंकी हरकतें शुरू कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। यह समय सवाल पूछने का नहीं, एकजुट होने का है। बेशक सवाल पूछे जाने चाहिएं, लेकिन उसके लिए 'सही समय' का इंतजार करना चाहिए। दुश्मन के खिलाफ शुरू किए गए अभियानों में खुद को भी नुकसान होता है। उसका पता लगाना चाहिए। भविष्य में उसे कम करने के लिए बेहतर रणनीति बनानी चाहिए। इन अभियानों से जुड़ी कौनसी जानकारी सार्वजनिक करनी है, इसके लिए बहुत सूझबूझ से फैसला लेना होता है। समय से पहले, या कहें कि गलत समय पर सबके सामने पेश की गई जानकारी का गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। अगर पाकिस्तान दोबारा उकसावे की कार्रवाई करेगा तो भारत अपने तरीके से जवाब देगा। इस समय ऐसी कोई भी जानकारी सार्वजनिक क्यों की जाए, जिसका दुश्मन फायदा लेने की कोशिश करे? याद करें, जब पाकिस्तान के आतंकवादियों ने मुंबई पर 26/11 का हमला किया था तो कुछ समाचार चैनल 'सीधा प्रसारण' कर रहे थे। वे सच दिखा रहे थे, लेकिन उसका फायदा सरहद पार बैठे आतंकवादियों के आकाओं ने उठाया था। उन्होंने टीवी देखकर अपनी साजिशों में फेर-बदल किया और आतंकवादियों को सतर्क करते रहे।

सूचना एक ऐसी तलवार होती है, जिसका सही इस्तेमाल यकीनन फायदा पहुंचाता है। वहीं, यह दुश्मन के हाथ लग जाए तो वह उसके जरिए हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकता है। जब सितंबर 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक की गई तो भारत में कई लोगों ने उसके सबूत मांगे थे। उनमें से कुछ तो इतने 'तेजस्वी' थे कि सोशल मीडिया पर 'चाल, समय और दूरी' के आधार पर गणितीय गणना कर यह साबित करने में पूरा जोर लगा रहे थे कि इतनी जल्दी कार्रवाई करके वापस नहीं आ सकते। क्या सेना उन 'खास रास्तों' के बारे में सबको बता दे? अगर भविष्य में दोबारा वैसी कार्रवाई करने की जरूरत पड़ी तो क्या होगा? युद्ध सिर्फ नारों और भावनाओं से नहीं लड़ा जाता है। उसके लिए बहुत ध्यान से रणनीति बनानी होती है। दुश्मन को जाल में फंसाने के लिए अपने संसाधन भी दांव पर लगाने होते हैं। वर्ष 1971 में भारतीय नौसेना द्वारा पाकिस्तानी पनडुब्बी ग़ाज़ी को नष्ट करने के लिए बनाई गई रणनीति इसकी शानदार मिसाल है। नौसेना द्वारा ऐसे वायरलैस मैसेज भेजे गए थे, जिससे ग़ाज़ी का कमांडर जफर मुहम्मद खान गुमराह हो गया था। उसे लगा कि उसके पास आईएनएस विक्रांत को नष्ट करने का सुनहरा मौका है। उसके बाद पनडुब्बी ग़ाज़ी अपने आखिरी मुकाम की ओर बढ़ी और भारतीय नौसेना ने उसका शिकार कर इतिहास रच दिया। उसमें पाकिस्तान के लगभग 100 सैनिक मारे गए थे। सूचनाओं के सही इस्तेमाल का यह फायदा होता है। अगर उस युद्ध में 'पूरा सच' तुरंत ही सामने रख दिया जाता तो पनडुब्बी ग़ाज़ी हमारे चक्रव्यूह में नहीं फंसती। इससे देश को बड़ा नुकसान हो सकता था। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' की योजना बनाई गई तो ऐसे बिंदुओं पर जरूर विचार किया गया होगा। भारतीय मिसाइलों ने पीओके से लेकर पाकिस्तान में विभिन्न आतंकी ठिकानों पर जिस तरह अग्निवर्षा की, उससे पहले हमारे सशस्त्र बलों ने दुश्मन की निगरानी प्रणाली को चकमा देने के लिए पूरा इंतजाम किया होगा। उसके बारे में 'सही समय' पर ही कोई जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। अभी हमारा ध्यान दुश्मन के मंसूबों को नाकाम करने पर होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

स्वतंत्रता सेनानी, देश के पूर्व राष्ट्रपति तथा लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीलम संजीव रेड्डी जी को पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि। सदन में अनुशासन स्थापित करने और उच्च परंपराओं का निर्वहन कर उन्हें मानक बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

-ओम बिरला

प्रदेश में बालिकाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा की बेहतर व्यवस्था कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इस दृष्टिकोण को साकार करते हुए राजस्थान सरकार की 'मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना' बेटियों के सपनों को पंख दे रही है।

-भजनलाल शर्मा

विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दुग्ध उत्पादकों, पशुपालकों, किसानों तथा डेयरी सेक्टर से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। डेयरी सेक्टर का देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में बड़ा योगदान है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

निर्मल दृष्टि से पवित्रता

एक बार गुरु नानक देव जी अपने चार प्रिय शिष्यों के साथ यात्रा पर निकले। एक गांव में गांववासियों ने उनका ससम्मान स्वागत किया। उसी गांव में एक वृद्धा रहती थी जो अत्यंत गरीब थी, परंतु श्रद्धा और प्रेम से परिपूर्ण थी। उसने अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित किया। वृद्धा ने बड़े प्रेम से सबके लिए शरबत तैयार किया, लेकिन उसके पास छानने के लिए छलनी नहीं थी। अतः उसने एक पुरानी, धुली हुई धोती के टुकड़े से शरबत छाना। यह देखकर शिष्यों को घिन आई, परंतु उन्होंने कुछ नहीं कहा। जब वृद्धा ने शरबत परोसा, तो गुरु नानक देव जी ने श्रद्धा और प्रेम से उसे पी लिया। शिष्यों ने शरबत तो पी लिया, लेकिन उनके मन में उसकी अशुद्धता को लेकर कसक बनी रही। गांव से निकलने के बाद एक-एक कर चारों शिष्यों को वमन हो गया। उन्होंने शरबत को दोष देते हुए कहा, 'गुरुजी, अब आपकी बारी है!' गुरु नानक देव जी मुस्कराते हुए बोले, 'नहीं शिष्यों, तुम्हें वमन इसलिए हुआ क्योंकि तुमने उस शरबत में गंदगी देखी, पर मैंने उसमें उस वृद्धा का प्रेम, सेवा और सम्मान देखा। तुमने जो धारणा बनाई, वैसा फल पाया। गुरुजी ने समझाया, 'यदि दृष्टि निर्मल हो, तो हर वस्तु पवित्र लगती है।'

सामयिक

देश में जासूसी का मायाजाल

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9425488224

यह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए एक के बाद एक भारतीय जासूसी करते पकड़े जा रहे हैं। यह शुरुआत पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ हुई थी। हरियाणा की रहने वाली ज्योति के साथ उसके पांच साथियों को भी हिरासत में लिया है। जासूसी करने वाले ये लोग हरियाणा और पंजाब के हैं। ज्योति का इंस्टाग्राम खाते को खंगालने पर पता चला है कि ज्योति पहलगाम में आतंकी हमला होने के एक महीने पहले श्रीनगर और पहलगाम की यात्रा पर थी। उसके तार पाकिस्तान उच्चायुक्त में काम करने वाले दानिष नाम के एक अधिकारी से भी जुड़े पाए गए हैं। इसी ने ज्योति को पाकिस्तान भेजा था। ज्योति कई महीने से भारतीय खुफिया एजेंसियों के रडार पर थी। उसकी संदिग्ध विदेशी यात्राएं और संदिग्ध विदेशी लोगों से संपर्कों ने उसे जासूसी करने के दायरे में लाकर खड़ा कर दिया। वह लगातार अपने यूट्यूब चैनल पर संवेदनशील सैन्य स्थलों के वीडियो डाल रही थी। सीमावर्ती, पठानकोट, नाथुला पास और अरुणाचल क्षेत्रों में भी जारी रही उसकी संदिग्ध गतिविधियों के प्रमाण खुफिया एजेंसियों को मिले है।

इसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान के लिए कथित रूप से जासूसी करने को लेकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सहायक उपनिरीक्षक मोतीराम जाट को भी हिरासत में लिया है। वह 2023 से राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित गोपनीय जानकारी पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को पहुंचा रहा है। इसी तरह की जासूसी करते हुए एक निजी कंपनी में इंजीनियर रवि वर्मा को हिरासत में लिया गया है। यह कंपनी रक्षा विभाग में ठेके पर काम करती थी। रवि पर मुंबई में नौसेना के प्रतिबंधित क्षेत्र के बारे में पाकिस्तान को महत्वपूर्ण जानकारी देने के आरोप लगे हैं। उसने 14 युद्धपोतों और रक्षा जहाजों की जानकारी दी है। रवि को पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव (पीआईओ) की जिस महिला एजेंट ने अपने जाल में फंसाया था, उसका नाम पायल शर्मा और इस्प्रित बताया गया है। इन महिलाओं के साथ रवि हनीट्रैप में था। मसलन इन महिलाओं के असली नाम कुछ और हैं और ये मूल रूप में पाकिस्तानी हो सकते हैं।

इस तरह के जासूसों का जंजाल पूरे देश में फैला हुआ है। ज्योति मल्होत्रा के पहले माधुरी गुप्ता भी पाकिस्तान के लिए जासूसी करते हुए पकड़ी गई थी। जबकि माधुरी गुप्ता एक भारतीय राजनयिक थी। उसकी पदस्थापना इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग में सचिव के पद पर थी। माधुरी को पाकिस्तानी खुफिया एजेंट जमशेद ने हनीट्रैप में फंसाया और झूठा प्यार जताकर भारत की अनेक रक्षा संबंधी गोपनीय जानकारियां हासिल कर लीं। 2010 में माधुरी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईएसआई को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। 50 वर्षीय माधुरी 30 वर्षीय जमशेद के प्रेम-जाल में इस हद तक उलझ गई थी कि वह जमशेद से शादी के लिए अपना धर्म बदलने को भी तैयार हो गई थी। यहीं से माधुरी ने जमशेद को गोपनीय जानकारियां देना शुरू कर दीं। यानी देश के साथ एक उच्च स्तरीय महिला अधिकारी भी गद्दारी करने लग गई। बाद में भारतीय खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली कि राजनयिक माधुरी गुप्ता आईएसआई के चंगुल में है और महत्वपूर्ण जानकारियां दे रही हैं। माधुरी को एकाएक सार्क सम्मेलन के बहाने दिल्ली बुलाकर गिरफ्तार कर लिया गया। 2018 में अदालत ने माधुरी को अपने ही देश की गुप्तचर के आरोप में दोषी ठहराकर सजा सुनाई। अदालत से जमानत मिलने के बाद 2021 में एकाकी जीवन बिताते हुए उसकी मौत हो गई।

कुछ साल पहले एटीएस ने मध्यप्रदेश में 15 लोगों को जासूसी के आरोप में हिरासत में ले लिया था। इस जासूसी का तंत्र ओड़िसा और आंध्र प्रदेष तक फैला पाया गया था। जासूसी नेटवर्क में भोपाल के तीन लोग पकड़े गए थे। इनमें ध्रुव सक्सेना और मोहित अग्रवाल एक राजनैतिक दल से जुड़े थे। इस पूरे नेटवर्क का सरगना सतना का बलराम था, जो इन लोगों के साथ मिलकर समानांतर टेलीफोन ऐक्सचेंजों के मार्फत इंटरनेट कॉल को मोबाइल नेटवर्क में बदलकर चाहे गए नंबरों पर बात करवाने का अवैधानिक काम करते थे। पाकिस्तान को गोपनीय जानकारियां भेजने वाले इन लोगों में से ज्यादातर उच्च शिक्षित और सूचना तकनीक से बीई थे। साफ है, वे जानते थे कि वे जो कर रहे हैं, वह देशद्रोह है। इस राष्ट्रघाती काम को शायद वे इसलिए और भी ज्यादा अच्छी तरह जानते होंगे, क्योंकि जिस पार्टी से वे सीधे जुड़े थे, वह राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने का दंभ कुछ ज्यादा ही भरती है। हैरानी देश की गुप्तचर संस्थाओं पर इसलिए है, क्योंकि जासूसी का यह नेटवर्क तीन साल से चल रहा था और उन्हें भनक तक नहीं लग पाई थी। यदि जम्मू के थाना आरएस पुरा में सतविंदर और दादू नहीं पकड़े गए होते तो मध्य-प्रदेश में फैल चुके आईएसआई के इस जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ ही नहीं होता ? हालांकि प्रदेश एटीएस ने अपनी पड़ताल को महज तीन माह के भीतर जिस कामयाबी के साथ अंजाम तक पहुंचा कर रैकेट का पर्दाफष जिस तत्परता से किया है, वह सराहनीय पहल थी। लेकिन बड़ा सवाल है कि खुफिया तंत्र इस जासूसी नेटवर्क के तार पकड़ने में क्यों नाकाम रहा ? जबकि अब हमारे पास ध्वनि तरंगों और व्यक्ति की आवाज को बीच में ही पकड़ने के आधुनिकतम उपकरण हैं। इसके अलावा आसमान में हमारे कई उपग्रह केवल देश विरोधी हरकतों पर निगाह रखने के लिए घूम रहे हैं। इस लापरवाही या नाकामयाबी से यह आशंका स्वाभाविक है कि गुप्तचर संस्थाओं की साइबर सेलों में जो सॉफ्टवेयर इंजीनियर काम कर रहे हैं, वे अपने दायित्व को ईमानदारी से नहीं निभा रहे हैं। इंटेलिजेंस का यह फेल्युर तब भी सामने आया था, जब मध्यप्रदेश में सिमी के आतंकवादियों ने पहले खंडवा जेल तोड़ी और फिर राजधानी की जेल भी तोड़कर भाग निकले थे। इन जेलों को तोड़ने की साजिश को खुफिया तंत्र को पूर्व में हवा तक नहीं लग पाई थी। खंडवा जेल से फरार होने के बाद भी ये आतंकी देष में कई वारदातें करते रहे, लेकिन पुलिस व खुफिया तंत्र पकड़ने में असफल रहे। आखिर में ओड़िसा एटीएस ने इन आतंकियों को राउलकेला से पकड़ा था। इस पूरे नेटवर्क का मुखिया सतना का बलराम था। एटीएस ने जब इसके घर पर छापा डाला तो इसके पास से 100 से भी ज्यादा सिमें बरामद हुईं। बलराम द्वारा निजी स्तर पर जो समानांतर दूरभाष एक्सचेंज चलाया जा रहा था, उसके जरिए यह इंटरनेट कॉल को सेल्युलर कॉल में बदलकर दूसरे देशों में बैठे आतंकी सरगनाओं से बात कराने का काम करता था। इस वार्तालाप के जरिए, खासतौर से भारतीय सेना और उसके ठिकानों से जुड़ी जानकारियां भेजते थे। वहां से हवाला के मार्फत मिलने वाले धन को ये जम्मू-कश्मीर स्थित आतंकियों के पास पहुंचाते थे। यहां सवाल उन मोबाइल नेटवर्क कंपनियों पर भी उठता है, जिनकी जिम्मेबारी उपभोक्ता को सिम देने से पहले उसकी साक्ष्यों के आधार पर पहचान की जरूरत पर है ? लेकिन जिस तरह थोक में सिम मिली थीं, उससे स्पष्ट है कि कंपनियों को राष्ट्रीय सुरक्षा की परवाह नहीं है। जबकि इंदौर-पटना रेल दुर्घटना के बाद यह साफ हो गया है कि आईएसआई ने आतंकी खेल के नियम बदल दिए हैं। वह भारतीय अधोसंरचना को निशाना बनाने में लग गई है।

एक तरफ देश की नीतियां ऐसी बनाई जा रही हैं कि नागरिक डिजिटल तकनीक का उपयोग करने के लिए बाध्य हो या फिर स्वेच्छा से करे। दूसरी तरफ सोशल साइट ऐसे ठिकाने हैं, जिन्हें व्यक्ति निजी जिज्ञासा पूर्ति के लिए उपयोग करता है। केंद्र व राज्य सरकारों की अनेक ऐसी कल्याणकारी योजनाएं हैं, जो सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में धन पहुंचाती हैं। नोटबंदी और जीएसटी इस मकसद से अमल में लाए गए थे कि सरकारी, व्यावसायिक और निजी लेनदेन में अधिकतम पारदर्शिता आए और देश भ्रष्ट व्यवस्था से मुक्त हो? इन लक्ष्यों को हम कितना हासिल कर पाए हैं, यह तो फिलहाल साफ नहीं है, लेकिन इन प्लेटफार्मों के जरिए खाताधारकों का धन उड़ाने और जरूरतमंदों की लड़ाई लड़ने वाले कार्यकताओं की जासूसी करने का कुचक्र जरूर सामने आता रहा है। देश के रक्षा संस्थानों की हनीट्रेप के जरिए जासूसी करने के भी अनेक मामले सामने आ चुके हैं। ज्योति मल्होत्रा के माध्यम से यूट्यूब भी जासूसी के कटघरे में है। अतएव डिजीटल तकनीक के माध्यम से देश को खतरे में डालने वाले इन संचार उपकरणों पर शिकंजा कसने की कठोर नीति बनाने की जरूरत है।

मुद्दा

युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव से मध्य-पूर्व में शान्ति की उम्मीद

डॉ. एसडी वैष्णव

अमेरिका-ईरान परमाणु संवर्धन संधि को लेकर अलग-अलग देशों में लगातार बैठकें चल रही हैं और इस बीच अमेरिका-इज़राइल के बीच मध्य-पूर्व में युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर भी लगातार ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। परंतु यह तय है कि ट्रंप की खाड़ी यात्रा इज़राइल के लिए फायदेमंद साबित होगी।

इन दिनों गाज़ा के नाज़ुक हालातों पर कई यूरोपीय देशों ने इज़राइल पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। उधर मध्य-पूर्व में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ ने इज़राइल-हमास के मध्य 60 दिन के सशर्त युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा है। इज़राइल ने इसे हमास के सामने सरेंडर करने जैसा माना। बावजूद, इज़राइल ने युद्ध विराम एवं गाज़ा में मानवीय सहायता पहुँचाने पर सहमति जताई है। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच हालिया दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी खाड़ी देशों की यात्रा के दौरान सऊदी अरब में सीरियाई सरकार के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल शरा से मुलाकात की और सीरिया को अब्राहम अकॉर्ड का हिस्सा बनने को कहा। जिसका सीधा अभिप्राय इज़राइल को मान्यता देना है। ट्रंप ने वर्षों से गृह युद्ध में जलते रहे सीरिया के विकास का भरोसा दिलाया है। सीरिया के अमेरिकी खेमे में आने से वहाँ की धरती से इज़राइल पर होने वाले ईरानी प्रोक्सी गुटों के हमले खत्म होंगे।

मध्य-पूर्व इन दिनों वैश्विक संघर्षों का केंद्र बन गया है। वैश्विक समुदाय की नज़र गाज़ा की स्थिति और अमेरिका-ईरान तनाव पर बनी हुई है। गाज़ा पट्टी तो पहले ही खंडहरों में तब्दील हो चुकी है। सीरिया सिविल वॉर के दंश झेल रहा है। हिज़्बुल्लाह से हुए सीजफायर समझौते के बावजूद लेबनान और सीरिया पर इज़राइल का ग्राउंड और हवाई ऑपरेशन जारी है। इज़राइल दक्षिणी लेबनान को खाली करने की चेतावनी पहले ही दे चुका है। हिज़्बुल्लाह के साथ हुए सीजफायर के बाद पुनः इज़राइल ने लेबनान और सीरिया में बारूदी हड़कंप मचा दिया है। इज़राइल खासकर दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों को ध्वस्त करने में लगा हुआ है। यह आग राजधानी बेरूत तक पहुँच गई है। बेरूत हिज़्बुल्लाह का गढ़ होने के कारण इज़राइल के निशाने पर रहता है।

अमेरिका-ईरान परमाणु संवर्धन संधि को लेकर अलग-अलग देशों में लगातार बैठकें चल रही हैं और इस बीच अमेरिका-इज़राइल के बीच मध्य-पूर्व में युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर भी लगातार ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। परंतु यह तय है कि ट्रंप की खाड़ी यात्रा इज़राइल के लिए फायदेमंद साबित होगी। यदि हमास की कैद से समय पर इज़राइली बंधकों की रिहाई नहीं हुई, तो गाज़ा में संघर्ष जारी रह सकता है। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अपने देश के नागरिकों की रक्षा के लिए वे कुछ भी करेंगे। इज़राइल तीन मोर्चों पर हमास, हिज़्बुल्लाह और यमन के हूती विद्रोहियों से एक साथ युद्धरत है। हूती विद्रोहियों ने फिलिस्तीन के समर्थन में इज़राइल पर लगातार आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। बहरहाल, गाज़ा में युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव से मध्य-पूर्व में शान्ति की उम्मीद जगी है। युद्ध की विभीषिका के बीच यह उम्मीद की जानी चाहिए कि मध्य-पूर्व में शांति एवं खोया हुआ गौरवशाली ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव फिर लौटकर आएगा।

नजरिया

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए खोजबीन जारी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल :8949519406

पार्टी विथ डिफरेंस का दावा करने वाली भाजपा इस समय एक अजीब से उधेड़बुन का शिकार हो रही है। यहां हम बात कर रहे है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन का। यह निर्वाचन अब बीरबल की खिचड़ी बन गया है। कोई न कोई बहाना बताकर इसे लगातार आगे से आगे खिसकाया जा रहा है। दस करोड़ सदस्यों वाली पार्टी के पास वर्तमान में 335 से अधिक सांसद, 1400 विधायक तथा 16 राज्यों में खुद के बुते अथवा सहयोगियों के साथ सरकार हैं। इसके बावजूद एक अदद अध्यक्ष की तलाश पूरी नहीं हो रही है। राज्यों में भी तदर्थ अध्यक्ष पार्टी चला रहे है। पार्टी का संगठनात्मक ढांचा डांवाडोल की स्थिति में है। वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो चुका है। इसके बाद लगातार नये अध्यक्ष की खोज की जा रही है मगर यह खोज ढाई साल बाद भी ख़त्म नहीं हुई है। एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत भाजपा में लागू होता है। मगर दो पदों पर काम कर रहे वर्तमान अध्यक्ष को इससे छूट दे रखी है। लोग तरह तरह की टीका टिप्पणियां कर रहे है। कुछ लोग इसे भाजपा संघ के मध्य मन मुटाव से भी जोड़कर देख रहे है। बताया जा रहा है संघ ने शीर्ष नेतृत्व को अपने रूख से अवगत करा दिया है, अब फैसला पार्टी को करना है कि वह संघ के बताये रास्ते पर चलेगी अथवा अपना स्वतंत्र मार्ग अख्तियार करेगी। संघ के विश्वसनीय सूत्र बता रहे है वह आगामी लोकसभा चुनावों की रणनीति पर काम कर रही है जिसमें अध्यक्ष के साथ प्रधान मंत्री पद का फैसला अहम बन गया है। इसी बीच एक बार फिर भाजपा के सूत्र कह रहे है पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव जून में हो सकता है। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने इस चुनाव को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी अध्यक्ष का यह चुनाव जून के तीसरे सप्ताह में हो सकता है।

भाजपा और संघ के जानकारों का कहना है मोदी के मन की थाह लगाना मुश्किल है। भाजपा में कई फैसले ऐसे लिए गए हैं जो बेहद चौंकाने वाले थे। खट्टर से लेकर भजन लाल तक के नाम इसमें शुमार किये जा सकते है, जिनकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। मोदी को ऐसा अध्यक्ष चाहिए जो उनका विश्वस्त तो हो ही साथ में उसे अगला चुनाव जिताने की भरपूर क्षमता और सम्भावना हो। बिहार और बंगाल सहित अनेक विधान सभाओं के चुनाव नये अध्यक्ष के कार्यकाल में संपन्न होंगे इसीलिए फूंक फूंक कर कदम उठाये जा रहे है।

इसी बीच पार्टी विथ डिफरेंस और दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा में नये अध्यक्ष को लेकर तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त हो रही हैं। दक्षिण भारत और उत्तर भारत की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। अनेक बड़े और दमदार नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, जो पार्टी के इस महत्वपूर्ण पद के लिए दावेदार हैं। इसी बीच मीडिया में प्रमुखता से एक दर्जन नामों की चर्चा सुनी जा रही है। इनमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, देवेंद्र फडणवीस, मनोहर लाल खट्टर, स्मृति ईरानी, रघुवर दास सहित जी किशन रेड्डी, बंडी संजय कुमार और प्रह्लाद जोशी, राम माधव और संजय जोशी के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे है। रोज कुछ नाम इस सूची में कुछ नाम जुड़ रहे है। किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष का दारोमदार सौंपने की चर्चाएं भी है। संघ के पसंद- नापसंद की चर्चाएं भी छाई हुई है। निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा, मोदी और शाह के विश्वसनीय है। खुद का कोई विशेष जनाधार नहीं है। अपने गृह राज्य हिमाचल के विधान सभा चुनाव में वह पार्टी को विजयश्री नहीं दिला पाए। यह भी कहा जा रहा है मोदी और शाह अपने फैसलों से चौंकाते रहे है। राज्यों में मुख्यमंत्री का चयन हो चाहे केंद्र सरकार में मंत्री का चुनाव, सभी मौकों पर चौंकाने वाले फैसले सामने आते रहे हैं। इसलिए यह कहने वालों की कमी नहीं है कि मोदी, पार्टी और देश को एकबार फिर चौंका सकते है।

भाजपा के लिए नया अध्यक्ष बेहद महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी ने जो रणनीतियां बनाई हैं, उनके साथ नए अध्यक्ष को तालमेल बैठाना होगा। उसे पार्टी के संगठन को नई दिशा देने के साथ-साथ युवाओं को जोड़ने और आगामी चुनावों की तैयारियों में सक्रिय भूमिका के साथ एनडीए के साथी संगठनों से बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा । इसलिए पार्टी को एक ऐसे चेहरे की तलाश है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़ा हो और संगठनात्मक दृष्टि से मजबूत हो। साथ ही मोदी और शाह के भरोसे का हो।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को अभ्यारोपित किया

ढाका/भाषा

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और दो अन्य व्यक्तियों को पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों को हिंसक रूप से दबाने में उनकी कथित भूमिका के लिए सामूहिक हत्या सहित कई अन्य आरोपों को लेकर अभ्यारोपित किया। रविवार की कार्यवाही का मतलब है कि हसीना के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू किया जाएगा। यह कार्यवाही विरोध प्रदर्शनों के बाद हसीना सरकार के सत्ता से हटने के लगभग 10 महीने बाद शुरू हुई।

न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) की तीन सदस्यीय पीठ कहा, ''हम आरोपों को संज्ञान में लेते हैं।'' पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब अभियोजन पक्ष की टीम द्वारा औपचारिक रूप से आरोपियों पर क्रूर बल का प्रयोग करके प्रदर्शनों को नियंत्रित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

न्यायाधिकरण ने अभ्यारोपित करने की कार्यवाही 145 पृष्ठों के अभियोग पत्र पर सुनवाई करने के बाद शुरू की और हसीना तथा तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के खिलाफ एक नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

मामले में तीसरे आरोपी एवं तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून इस समय हिरासत में हैं और उनकी उपस्थिति में मुकदमा चलेगा।

अभियोजन पक्ष ने हसीना पर विरोध को क्रूरता से दबाने के लिए पूर्ण अधिकार का प्रयोग करने का आरोप लगाया। अन्य दो लोगों पर उकसावे, मिलीभगत, उकसाने,भड़काने और अपराध में सहायता करने का आरोप लगाया गया है।

आईसीटी-बांग्लादेश को मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने बताया, ''साक्ष्यों की समीक्षा करने के बाद, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह एक समन्वित, व्यापक और व्यवस्थित हमला था।'' उन्होंने तीनों आरोपियों पर अपराधों के लिए उच्च कमान जिम्मेदारी का आरोप लगाया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि वे मुकदमे के दौरान वीडियो, ऑडियो और फोरेंसिक साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे तथा गवाह के रूप में पेश करने के लिए 81 लोगों की सूची बनाई गई है। न्यायाधिकरण की जांच एजेंसी ने 12 मई को मुख्य अभियोजक कार्यालय को सौंपी अपनी रिपोर्ट में हसीना को उन्हें अपदस्थ करने के लिए चले आंदोलन में लोगों की हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था।

ब्रिटेन को आतंकवाद पर भारत के रुख से प्रभावी तरीके से अवगत कराएंगे: रविशंकर प्रसाद

लंदन/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने रविवार को कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद पर ब्रिटेन को भारत के रुख से 'प्रभावी' तरीके से अवगत कराएगा और ब्रिटेन के प्रमुख हितधारकों के साथ बातचीत करेगा। प्रसाद के नेतृत्व में नौ सदस्यीय दल यूरोपीय दौरे के तहत तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार को ब्रिटेन पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने किया। प्रतिनिधिमंडल को 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के अध्यक्ष लिंडसे होयल और विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय मंत्री कैथरीन वेस्ट सहित प्रमुख हितधारकों के साथ कई बैठकों में भाग लेना है। इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में डी पुरंदेश्वरी, प्रियंका चतुर्वेदी, गुलाम अली खटाना, अमर सिंह, समिक भट्टाचार्य, एम थंबीदुरई और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एमजे अकबर तथा राजदूत पंकज सरन शामिल हैं। ये नेता सामुदायिक समूहों, थिंक टैंक, सांसदों और प्रवासी नेताओं से मुलाकात करेंगे। रविशंकर प्रसाद ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, ''सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के अपने सहयोगियों के साथ मैं फ्रांस, इटली और डेनमार्क की सफल यात्राओं के बाद ब्रिटेन के लंदन में पहुंचा हूं।''

प्रसाद ने कहा, ''लंदन में 31 मई से तीन जून तक रहने के दौरान, हम आतंकवाद पर अपना रुख प्रभावी ढंग से व्यक्त करेंगे और संसद के निचले सदन के अध्यक्ष लिंडसे होयल, विदेश मंत्री कैथरीन वेस्ट, ब्रिटेन के सांसदों, नेताओं, थिंक टैंक, मीडिया प्रतिनिधियों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ बातचीत करेंगे। हमें विश्वास है कि हमारे संदेश को यहां भी वैसा ही समर्थन मिलेगा जैसा फ्रांस, इटली और डेनमार्क में मिला है।'' ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार शाम लंदन पहुंचा और उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने उनकी अगवानी की।'' उच्चायोग ने कहा कि ब्रिटेन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के अध्यक्ष लिंडसे होयले, हिंद-प्रशांत के लिए ब्रिटेन के विदेश कार्यालय मंत्री कैथरीन वेस्ट, सांसदों, थिंक टैंक और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से बातचीत करेगा।

मिस वर्ल्ड के ताज ने सपनों को हकीकत में बदला : ओपल सुचाता चुआंगश्री

हैदराबाद/भाषा

ओपल सुचाता चुआंगश्री ने रविवार को कहा कि वह मिस वर्ल्ड के रूप में अपने एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान दुनिया भर में घूमना पसंद करेंगी और अपने 'ब्यूटी विद अ परपज' अभियान के साथ-साथ अन्य दिलचस्प कार्य करना चाहेंगी। मिस वर्ल्ड चुआंगश्री ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से यह भी कहा कि मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए तेलंगाना में उनका प्रवास उनके जीवन के सबसे बेहतरीन अनुभवों में से एक रहा।

थाईलैंड की चुआंगश्री ने कहा, अगले वर्ष मैं अपना समय दुनिया भर में घूमकर बिताना पसंद करूंगी और उन लोगों की मदद करना चाहूंगी, जिन्हें मेरे अभियान और कार्य दोनों की जरूरत है।

चुआंगश्री ने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान उनकी मुलाकात बहुत से ऐसे लोगों से हुई जो बहुत दयालु थे और उन्हें राज्य की कई खूबसूरत जगहों पर जाने का मौका मिला।

मिस वर्ल्ड ने कहा कि दुनिया भर से अपने साथी प्रतियोगियों के साथ इस अनुभव को साझा करना और भी बेहतर रहा। चुआंगश्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सपने

सच होते हैं। चुआंगश्री ने शनिवार रात ताज पहनने के बाद 'पीटीआई- वीडियो' से कहा, ''अब जब मुझे 'मिस वर्ल्ड' का खिताब मिल गया है, तो मेरे पास अन्य लोगों को उनके लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करने और सार्थक करने का मौका है। मैं एक साल तक 'मिस वर्ल्ड' संगठन के साथ मिलकर यही काम करूंगी।'' उन्होंने कहा कि थाईलैंड 72 साल से भी अधिक समय से 'मिस वर्ल्ड' के ताज का इंतज़ार कर रहा था।

चुआंगश्री ने कहा, ''थाईलैंड में मेरे लोग, हम 72 साल से अधिक समय से अपने पहले 'मिस वर्ल्ड' ताज का इंतज़ार कर रहे थे और मुझे यक़ीन नहीं हो रहा कि अपना पहला ताज जीतने का सम्मान मुझे मिला है। मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है, न सिर्फ खुद पर, बल्कि अपने लोगों और अपनी टीम पर भी क्योंकि उन्हीं की वजह से मैं यहां हूं।'' 'मिस वर्ल्ड' ने कहा कि वह भारत में बिताए अपने समय को हमेशा याद रखेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं अभी अपने मित्रों से बात कर रही थी कि मैं इस जगह को छोड़ना नहीं चाहती क्योंकि हम जहां रह रहे थे, वह जगह, यहां के लोग, यहां का खाना और हर चीज (बहुत अच्छी है।) हम यहां आकर बहुत खुश हैं। यह एक शानदार यात्रा रही। मैंने यहां सभी के साथ यादगार समय बिताया।''

मिस वर्ल्ड ने कहा कि हालांकि वह 'ब्यूटी विद अ परपज' के तहत अपनी स्वयं की परियोजना पर काम करेंगी, लेकिन साथ ही वह अन्य प्रतियोगियों की योजनाओं में भी सहयोग करने का प्रयास करेंगी।

चुआंगश्री ने कहा, ''मेरी योजना स्तन कैंसर को लेकर जागरूकता पैदा करना और महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित करना है, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, चूंकि मैं मिस वर्ल्ड हूं, मेरे पास अन्य परियोजनाओं में भी सहयोग करने का अधिक मौका होगा। मैं चयन नहीं करना चाहती। अगर मुझे सभी का सहयोग करने का मौका मिलता है, तो मैं सभी का सहयोग करना चाहती हूं।''

फिल्म 'सरदार जी 3' का फर्स्ट रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ की आने वाली पंजाबी फिल्म सरदार जी 3 का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'सरदार जी' का तीसरा पार्ट 'सरदार जी 3' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। दिलजीत ने इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर में दिलजीत एक अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं, जहां वह अपने ही मस्त मौला अंदाज में खड़े हुए हैं और उनके पीछे कई महिलाएं हैं जिनके चेहरों पर घूंघट पड़ा है। दिलजीत पोस्टर शेयर करते हुये लिखा कि इस बार 'सरदार जी' अपने तीन गुना पागलपन के साथ लौट रहा है- रोमांटिक, कॉमिक और डरावना अंदाज इस बार दर्शकों को एक बिल्कुल अलग अनुभव देगा। फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही उन्होंने टीजर जल्द ही आने की जानकारी भी दी। गौरतलब है कि 'सरदार जी' फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी, जिसमें दिलजीत के साथ नीरू बाजवा और मैंडी तखर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। इसके बाद 2016 में 'सरदार जी 2' आई, जिसमें दिलजीत ने तीन भूमिकाएं निभाई थीं। 'सरदार जी 3' का निर्देशन अमर हुंदल कर रहे हैं। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ के साथ नीरू बाजवा और मानव विज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'मिट्टी और सोना' में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार : सोनम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम ने बताया कि है कि फिल्म 'मिट्टी और सोना' में उनका किरदार उनके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। सोनम कपूर ने वर्ष 1989 में प्रदर्शित फिल्म मिट्टी और सोना में कॉलेज गर्ल और एक तवायफ दोनों का रोल निभाया था। सोनम ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म 'मिट्टी और सोना' से अपने किरदार की कुछ तस्वीरें शेयर की और बताया कि महज 15-16 साल की उम्र में उन्होंने रेड-लाइट एरिया जाकर वहां की जिंदगी को देखा था। इससे उन्हें न सिर्फ हिम्मत और समझ मिली, बल्कि फिल्म में अपने किरदार को ईमानदारी से निभाने में मदद भी मिली। सोनम कपूर ने लिखा, 'मिट्टी और सोना' मेरे दिल के सबसे करीब फिल्म है... इसमें मैंने एक कॉलेज गर्ल और एक तवायफ का रोल निभाया था। हां, ये रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। मुझे कॉलेज स्टूडेंट और वेश्यावृत्ति में शामिल लड़की के तौर-तरीकों पर काम करना था। मैं इस फिल्म से कुछ साबित करना

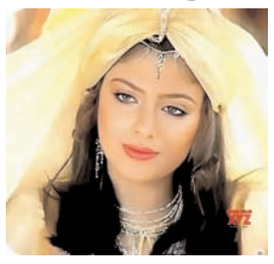

चाहती थी, लेकिन कैसे साबित होगा, उस वक्त मुझे खुद भी नहीं पता था। लोग मुझे अक्सर 'ग्लैमरस सोनम' के तौर पर जानते थे, जो बेखौफ बिकिनी पहनती थी।

इस फिल्म ने मुझे मौका दिया कि मैं अपनी कम लेकिन यादगार चार साल के फिल्मी करियर में ये साबित कर सकूं कि मैं सिर्फ ग्लैमरस नहीं, बल्कि अच्छी एक्टिंग भी कर सकती हूं। सोनम ने लिखा, मैंने वहां कुछ लड़कियों से बात भी की। उनसे मिलकर मुझे दुख, डर और सुरक्षा की भावना महसूस हुई। मुझे याद है कि मुझे एक सीन करना था, जिसमें मुझे स्किन कलर का शॉर्ट, स्ट्रैपलेस ड्रेस पहनना था। ये ड्रेस ऐसी थी, जैसे मैंने कुछ पहना ही नहीं हो। कैमरे के लेंस और एंगल के लिए यह सीन जरूरी था। पहले तो मैं इसके लिए तैयार थी, मैं फूट-फूटकर रोने लगी और सीन करने से मना कर दिया। उस समय मेरी उम्र सिर्फ 15-16 साल थी। मेकअप रूम में कई बार मनाने के बाद, मैं सेट पर गई और उस सीन को किया। मैंने हिम्मत जुटाई उन लड़कियों से, जिन्हें मैंने कुछ साल पहले रेड-लाइट एरिया में देखा था। उन्होंने फिल्म मिट्टी और सोना में काम करने का मौका देने के लिये निर्माता पहलाज निहलानी का धन्यवाद दिया है।

'सैयारा' मेरी पसंदीदा प्रेम कहानियों को समर्पित है': मोहित सूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड निर्देशक मोहित सूरी का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म 'सैयारा' उनकी पसंदीदा प्रेम कहानियों को समर्पित है। यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) द्वारा निर्मित और मोहित सूरी द्वारा निर्देशित 'सैयारा' का टीज़र कल जारी होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुका है। फिल्म सैयारा में अहान पांडे को एक पारंपरिक हीरो के रूप में और अनीत पड्डा (बिग गर्ल्स डोंट क्राइ फेम) को नई वाईआरएफ अभिनेत्री के तौर पर लॉन्च किया जा रहा है। मोहित सूरी ने कहा,आप कई तरह की कहानियाँ कह सकते हैं और लोगों को भावनात्मक यात्राओं पर ले जा सकते हैं, लेकिन रोमांस एक खास जॉनर है। 'सैयारा' मेरी उन प्रेम कहानियों को समर्पित है जिन्हें मैं खुद बेहद पसंद करता हूं, जिनसे मेरा जीवन कभी न कभी टकराया है। मैंने कई लोगों की असाधारण प्रेम कहानियाँ सुनी हैं, जो मेरे लिए प्रेरणा बनीं। मोहित सूरी ने कहा,'सैयारा' के टीज़र को मिली एकमत प्रतिक्रिया देखकर दिल खुश हो गया।

मैं अहान और अनीत के लिए बहुत उत्साहित हूँ क्योंकि उन्होंने अपने अभिनय से लोगों से तुरंत जुड़ाव बना लिया। यह पल मैं अपनी

टीम और वायआरएफ के साथ साझा करना चाहता हूँ। आशा है कि जैसे-जैसे हम फिल्म की मार्केटिंग में इसकी अलग-अलग परतें खोलते जाएंगे, लोग उससे उतना ही जुड़ते जाएंगे। वाईआरएफ के सीईओ और निर्माता अक्षय विधानी ने कहा,रोमांस यशराज फिल्म्स की पहचान रहा है। 'सैयारा' के माध्यम से हम प्रेम के उस पक्ष को एक्सप्लोर कर रहे हैं जो गहराई से भावुक, पर साथ ही उत्साहवर्धक भी है।

दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरना हमारे लिए बेहद ज़रूरी था, खासकर तब जब हम रोमांटिक शैली में वापसी कर रहे हैं। मोहित सूरी जैसे निर्देशक के साथ काम करने का मौका पाकर हम बेहद खुश थे। उनकी संवेदनशीलता और समझ इस कहानी को एक नई ऊंचाई पर ले गई। हमें खुशी है कि दर्शकों ने इसे इतनी गर्मजोशी से स्वीकारा।

'सैयारा' इसलिए भी खास है क्योंकि इसके ज़रिए हम दो प्रतिभाशाली नए कलाकारों अहान पांडे और अनीत पड्डा को लॉन्च कर रहे हैं। हमारा सपना था कि इन दोनों को एक ऐसी प्रेम कहानी में लॉन्च करें जो लंबे समय तक लोगों के दिल में रहे। फिल्म 'सैयारा' 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर में रिलीज़ होगी।

निर्देशन पर जो मैं ज्ञान देती हूं, वह मेरा नहीं बल्कि राज खोसला का है : पूजा भट्ट

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता और एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने दिवंगत निर्देशक राज खोसला की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी बुद्धिमानी आज भी उनका और नए फिल्मकारों का मार्गदर्शन देती है। उन्होंने कई पीढ़ियों तक अपनी छाप छोड़ी है, जो लोग उन्हें नहीं जानते, वे भी उनकी कला की सराहना करते हैं। पूजा भट्ट अपने पिता व फिल्म निर्माता महेश भट्ट और मशहूर एक्ट्रेस आशा पारेख के साथ मुंबई के रीजल सिनेमा में आयोजित कार्यक्रम 'राज खोसला 100- बंबई का बाबू' में शामिल हुईं। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने यह कार्यक्रम फिल्म निर्माता और निर्देशक राज खोसला की 100वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित किया था।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस कार्यक्रम की कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, ''राज साहब एक बड़े सितारे की तरह हैं। भले ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया हो, लेकिन उनकी रोशनी अभी भी मुझमें चमकती है। जब मैं आज के नए फिल्मकारों का मार्गदर्शन करती हूं, तो मुझे उनकी आवाज अपनी आवाज में सुनाई देती है। जो ज्ञान मैं उन्हें देती हूं, वह मेरा नहीं बल्कि उनका है। कहते हैं जो आप अपने बच्चों को सिखाते हैं, वह आपके पोते-पोतियों तक भी जाता है और

इस तरह उनकी विरासत धीरे-धीरे आगे बढ़ती है। उनका नाम और काम उन लोगों तक भी पहुंच रहा है जो उन्हें कभी जानते तक नहीं थे।' यह शब्द लेखक अंबोरीश रॉयचौधरी की किताब 'राज खोसला, द ऑथराइज्ड बायोग्राफी' से लिए गए हैं। दिवंगत फिल्म निर्माता की बेटियों अनीता खोसला और उमा खोसला कपूर के सहयोग से अंबरीश ने यह किताब लिखी। वह सिनेमा पर आधारित अपनी एक किताब के लिए नेशनल अवार्ड भी जीत चुके हैं।

इस कार्यक्रम में राज खोसला की तीन बेहतरीन फिल्मों को दिखाया गया, जिसमें देव आनंद और सुचित्रा सेन की फिल्म 'बंबई का बाबू', देव आनंद, जॉनी वॉकर और वहीदा रहमान की 'सी.आई.डी.' और धर्मेंद्र, विनोद खन्ना और आशा पारेख की फिल्म 'मेरा गांव मेरा देश' शामिल हैं।

दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं नरगिस फाखरी, 'ऐसा लग रहा है, जैसे कभी गई ही नहीं'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी अपनी आने वाली फिल्म 'हाउसफुल 5' को लेकर चर्चाओं में हैं। वह इस फिल्म के जरिए दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपने कमबैक से काफी खुश हैं, उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वह कभी पर्दे से दूर गई ही नहीं थीं। नरगिस ने रविवार को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। ये तस्वीरें 'हाउसफुल 5' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान किए गए फोटोशूट की हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''कमबैक... जैसे कभी गई ही नहीं थीं, अब पहले से भी ज्यादा ताकतवर और शानदार अंदाज में लौट आई हूं।'' एक्ट्रेस को अब से पहले 2023 में रिलीज हुई अनुपम खेर-नीना गुप्ता अभिनीत 'शिव शास्त्री बलबोआ' में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन अजय वेणुगोपालन ने किया था। उनकी आने वाली फिल्म 'हाउसफुल 5' की बात करें तो, 31 मई को फिल्म से नया गाना 'द फुगड़ी डांस' रिलीज किया गया था। फिल्म से अभी तक चार गाने, जिसमें 'लाल परी', 'दिल ए नादान', 'कयामत' और नया 'द फुगड़ी डांस' शामिल हैं, रिलीज हो चुके हैं। फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है, जो इससे पहले 'दोस्ताना' जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। वह फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा। फिल्म के स्टारकास्ट में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकार हैं। 'हाउसफुल 5' 6 जून को दुनिया भर में रिलीज होगी। नरगिस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान 2011 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'रॉकस्टार' से बनाई, जिसमें उन्होंने रणबीर कपूर के साथ काम किया था। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। 2013 में उन्होंने राजनीतिक थ्रिलर फिल्म 'मद्रास कैफे' में एक वॉर रिपोर्टर का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'मैं तेरा हीरो' और 'हाउसफुल 3' जैसी हिट कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने न केवल बॉलीवुड में, बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड की एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'स्पाई' में भी अहम भूमिका निभाई।

20 को रिलीज होगी फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल'

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ की फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल 20 जून को जी5 पर रिलीज होगी। फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल में दिलजीत दोसांझ एक अजीबोगरीब जासूस की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग बुडापेस्ट में हुई है और इसका निर्देशन रवि छाबड़िया ने किया है, जो बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ के साथ डायना पेंटी, बोमन ईरानी,

चंकी पांडे, रत्ना पाठक शाह, बनिता संधू और सुमीत व्यास जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे। फिल्म की कहानी को अली अब्बास जफर, सागर बाजाज और रवि छाबड़िया ने लिखा है। इस फिल्म का निर्माण अली अब्बास जफर ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले किया है। अली इसके पहले फिल्म दिलजीत को लेकर फिल्म 'जोगी' भी बना चुके हैं। अली अब्बास जफर ने कहा, दिलजीत के साथ जोगी में काम करने के बाद मुझे यकीन था कि हमें फिर साथ काम करना चाहिए।

वह एक शानदार कलाकार हैं। यह फिल्म आपको हंसाएगी और रहस्य से भरपूर रखेगी। सह-निर्माता हिमांशु मेहरा ने भी दिलजीत की तारीफ करते हुए कहा, कम ही कलाकार हास्य और सस्पेंस दोनों को इतनी आसानी से निभा पाते हैं। दिलजीत उनमें से एक हैं। यह फिल्म परिवार के साथ देखने के लिए शानदार है।

उर्मिला मातोंडकर ने कामाख्या देवी के किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर शनिवार को असम स्थित कामाख्या मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके फैंस को झलक दिखाई, जिसमें वह भक्ति में डूबी नजर आईं। इंस्टाग्राम पर मंदिर के प्रांगण से तस्वीरें शेयर करते हुए उर्मिला ने बताया कि वह नो मेकअप लुक और ग्लैमर से दूर और भक्ति में लीन हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कामाख्या मंदिर झमाझम बारिश, रास्ते बंद... शहर ठप पर दर्शन तो करने थे तो जिंदगी की अन्य चीजों की तरह यह भी मां पर छोड़ दिया और मां का बुलावा आ गया और दर्शन भी हुए। नो मेकअप, नो ग्लैमर... बस भक्ति। उर्मिला ने तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह दीपक जलाती और हाथ जोड़े भक्ति में लीन नजर आईं। तस्वीरों में वह माथे पर रोली लगाए और हाथ में प्रसाद स्वरूप चुनरी को पकड़े नजर आईं। असम में देवी कामाख्या का मंदिर है। गुवाहाटी में नीलांचल

पहाड़ियों में स्थित, मंदिर में अंबुबाची मेला आयोजित किया जाता है, जो देवी कामाख्या के मासिक धर्म का जश्न मनाने वाला एक वार्षिक उत्सव है। उर्मिला के अभिनय करियर पर नजर डालें तो वह हिंदी के साथ ही तमिल, तेलुगू, मलयालम और मराठी समेत कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उर्मिला 'चमत्कार', 'आ गले लग जा', 'एक हसीना थी', 'भूत', 'रंगीला', 'जुदाई', 'मेरे सपनों की रानी', 'सत्या', 'जानम समझा करो', 'कुंवारा', 'प्यार तूने क्या किया', 'ओम जय जगदीश', 'पिंजर', 'खूबसूरत' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह बड़े पर्दे पर आखिरी बार साल 2018 में 'ब्लैकमेल' में नजर आई थीं। वह साल 2022 में वेब सीरीज 'तिवारी' में दिखी थीं। सौरभ वर्मा के निर्देशन में बनी सीरीज कल्कि तिवारी नाम की एक महिला पर आधारित है, जो एक ऐसे अपराध के लिए जेल से रिहा हुई है, जो उसने किया ही नहीं था। जेल से बाहर आने के बाद वह उस आदमी को खोजने का फैसला करती है, जिसने उसे फंसाया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 02-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथी महासभा द्वारा निर्देशित 50वें प्रेक्षा कल्याण वर्ष के अंतर्गत तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में रविवार को सुबह प्रेक्षा वाहिनी द्वारा प्रेक्षाध्यान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

मंत्रों का स्तवन आत्मा के लिए एक अजेय रक्षा कवच है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में राइज एवं साइन' अनुष्ठान का आयोजन राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ भवन में हुआ। सूर्य के समान तेजस्वी बनने हेतु नमस्कार महामंत्र से शुभारंभ करते हुए साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि 'भारतीय संस्कृति भक्ति प्रधान संस्कृति है। भक्ति का प्राणतत्त्व है मंत्रों की आराधना।

मंत्रों का एक-एक अक्षर ऊर्जा, समृद्धि एवं रोग निवारक होता है। मंत्रों का स्तवन आत्मा के लिए एक अजेय रक्षा कवच है। सारे मनोरथों को सिद्ध करने वाला एवं भक्त को भगवान बनाने की क्षमता रखने वाला है। मंत्रों की साधना से दु:ख, क्लेश, रोग, शोक, दरिद्रता आदि सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

साध्वी मार्दवश्रीजी ने अनुष्ठान में 'ॐ' प्रलम्ब उच्चारण करवाते हुए सभा सदन को मंत्रों की तरंगो से तरंगित किया। स्वयं को ऊर्जावान एवं तेजस्वी बनाने हेतु मुद्रा विज्ञान, स्वर विज्ञान के साथ अनेक मंत्रों का लयबद्धता के साथ जप करवाया। उन्होंने कहा कि मंत्र हमारे व्यक्तित्व को पवित्र एवं प्रभावशाली बनाते है। यह अनुष्ठान हमें आध्यात्मिक ऊर्जा, समृद्धि व वैभव से परिपूर्ण बनाने वाला सिद्ध हो।

प्रसिद्ध गायक मनीष पगारिया एवं गुलाब बाँठिया ने मंगलाचरण किया। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वीवृन्द के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस मौके पर तेरापंथी महासभा के प्रकाश लोढ़ा की उपस्थिति थी। संयोजन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथी महासभा द्वारा निर्देशित 50वें प्रेक्षा कल्याण वर्ष के अंतर्गत तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में रविवार को सुबह प्रेक्षा वाहिनी द्वारा प्रेक्षाध्यान गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रेक्षा प्रशिक्षक डालमकुमार सेठिया ने 20 प्रतिभागियों को प्रेक्षा प्रशिक्षण दिया। दीर्घ श्वास प्रेक्षा का प्रयोग रेणु कोठारी ने कराया। द्वितीय चरण में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में चित समाधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वीश्री ने चित की निर्मलता के बारे में बताते हुए कहा कि चित समाधि अर्थात शांति से जीना, जहां प्रेम होता है, सहिष्णुता, सहभागिता, मानसिक शांति होती है,वहां चित की निर्मलता बरकरार रहती है। जैन दर्शन में रहना, समभाव में रहना, स्थितियों-परिस्थितियों को सहना कर्म निर्जरा बताया गया है। वह भी चित की निर्मलता से ही संभव है। साध्वीश्री सरलयशाजी ने अपने जीवन को किस प्रकार समाधिमय बनाए उस हेतु महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साध्वीश्री ऋषिप्रभाजी ने प्रेक्षा संबंधित छोटे छोटे प्रयोग करवाए। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, उपाध्यक्ष विनय बैद, मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, युवक परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे ।

मिश्रीमल राणावत परिवार ने अरनाथ मंदिर पर चढ़ाई ध्वजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टिपटूर। शहर के अरनाथ जैन मंदिर की 29वीं वर्षगांठ रविवार को धूमधाम से मनाई गई। सत्तरभेदी पूजा के बीच कायमी अमरध्वजा के लाभार्थी धाकुबाई मिश्रीमल राणावत परिवार द्वारा पूरे विधिविधान से मंदिर पर ध्वजारोहण किया गया। सत्तरभेदी पूजा के निमित्त नौवीं पूजा के बाद लाभार्थी मिश्रीमल, नरपतकुमार, महेंद्र, मुकेश राणावत द्वारा विधि कारक संकेत गुरु के मंत्रोच्चार के साथ मंदिर शिखर पर ध्वजा चढ़ाई गई। इस अवसर पर पूर्व सभापति टीएन प्रकाश, गंगाधर, शिवम, एवं लक्की राणावत सहित मंदिर के अध्यक्ष रणजीत सोनीगरा, सचिव महावीर जैन आदि उपस्थित थे।

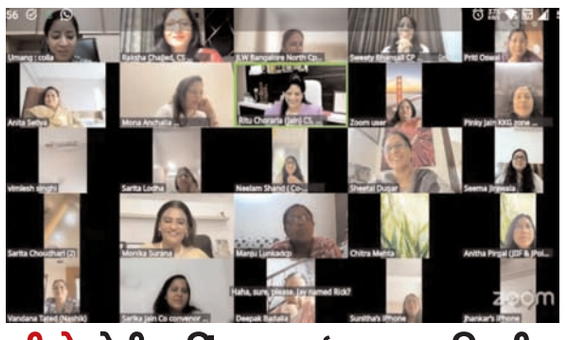

जीतो लेडीज़ विंग द्वारा 'पहचान-बिटवीन ड्रीम्स एंड ड्यूटी' सत्र का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज़ विंग नॉर्थ एवं गदग चैप्टर, केकेजी जोन और अपेक्स के संयुक्त तत्वावधान में पहचान वर्टिकल के अंतर्गत महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पहचान- 'बिटवीन ड्रीम्स एंड ड्यूटी' का आयोजन ऑनलाइन किया गया। इस कार्यक्रम में तथास्तु इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल सर्विसेज की संस्थापक, लेखक एवं इन्फ्लुएंसर डॉ. तनु जैन ने मुख्य प्रशिक्षिका के रूप में अपनी व्यक्तिगत यात्रा साझा करते हुए महिलाओं में आंतरिक शक्ति को जागृत कर जिम्मेदारियों के साथ व्यक्तिगत आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाने पर बल दिया। डॉ. जैन ने कहा कि हमें अपने सपनों और कर्तव्यों के बीच संतुलन बनाना चाहिए, स्वयं को प्राथमिकता देनी चाहिए और किसी के प्रभाव में आकर निर्णय नहीं लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीन जैन, महामंत्री दिलीप जैन, जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, नॉर्थ महामंत्री विजय सिंघवी, हुब्बल्ली चैप्टर के अध्यक्ष अनिल नाहटा व महामंत्री प्रवीन चौधरी ने टीम को शुभकामनाएं दीं। जेएलडब्लू अपेक्स के निदेशक प्रभारी सोनाली दुग्गड़, अपेक्स महिला अध्यक्ष शीतल दुग्गड़, अपेक्स महिला महामंत्री रितु चोरड़िया, अपेक्स उपाध्यक्ष यश्मा जैन, अपेक्स मंत्री सरला भूतोड़िया एवं केकेजी जोन संयोजिका पिंकी जैन ने अपने विचार व्यक्त किए।

नॉर्थ चैप्टर की लेडीज अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। गदग चैप्टर की लेडीज अध्यक्ष स्वीटी भंसाली ने प्रशिक्षिका डॉ. तनु जैन का परिचय दिया। अपेक्स पहचान की संयोजिका मोनिका सुराणा ने संचालन किया। अंत में महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

राजेन्द्र पूनम ग्रुप ने कोरमंगला गौशाला में की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजेन्द्र पूनम ग्रुप के 23 सदस्यों ने कोरमंगला गौशाला में गौसेवा की तथा गायों को चारा व कबूतरों को मक्का, ज्वार, गेहूं, फुटाना एवं विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री लेकर अपने हाथों से खिलाया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्य माणकमल भंडारी, पृथ्वीराज लुकड़, जुगराज भंडारी, रमेश सोलंकी, दिलीप भंडारी, मनोहरमल, विमलकुमार श्रीश्रीमाल, गौतम कवाड़मुथा, अरविंद कुमार, सुरेश सोलकी, तिलोकचंद, गौतम परमार, दिनेश लम्बू, रतन भंसाली, फुटरमल बागरेचा, प्रकाश जैन, भरत, दिलीप भंडारी, सहित कई अनेक गौ-भक्त उपस्थित थे।

बिलावास गौशाला के कृष्ण मंदिर प्रतिष्ठा की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिलावास गौशाला सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को एक होटल में कार्यकारिणी समिति की बैठक रखी गई जिसमें बिलावास गौशाला राजस्थान में 2% नवम्बर को होने वाली श्री कृष्ण भगवान मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव के संदर्भ में विभिन्न विषयों व महत्वपूर्ण कार्यों पर चर्चा हुई। इस संबंध में भगवान विराजमान करने के विभिन्न चढ़ावे 2% जून को बेंगलूरु में रखे जाने का निर्णय लिया गया तथा अन्य समितियां का गठन, प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए विभिन्न गणमान्य को निमंत्रण देने का निर्णय किया गया। गौशाला समिति के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष अमरााम चोयल ने प्रतिष्ठा में होने वाले आय-व्यय की जानकारी दी। सचिव नरेन्द्र आच्छा से विभिन्न जानकारी देते हुए सभी के सहयोग की अपील की। अनेक सदस्यों ने प्रतिष्ठा महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए अपने विचार प्रकट किए।

सहयोग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमर्त ग्लोबल के बेंगलूरु चैप्टर के स्वयंसेवकों द्वारा रविवार को होयसलानगर, राममूर्तिनगर स्थित बस्तियों के कुछ परिवारों के लिए उसी क्षेत्र में 'मानसून रिलीफ शिविर' का आयोजन किया जिसमें बारिश से अपने घर को बचाने के लिए तारपोलीन का वितरण किया गया ।

शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री बनकर इतिहास रचने को तैयार

नई दिल्ली/भाषा। भारत के शुभांशु शुक्ला एक्सिओम स्पेस के चौथे वाणिज्यिक मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपनी पहली अंतरिक्ष उड़ान के लिए तैयार हैं। एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) आठ जून को फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जाना है।

ड्रैगन अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण फ्लोरिडा स्थित नासा के अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय समयानुसार शाम 6:41 बजे से पहले नहीं होगा। इस प्रक्षेपण के साथ ही शुक्ला लगभग चार दशक बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। राकेश शर्मा ने 1984 में रूस के सोयूज अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

एक्सिओम-4 मिशन के पायलट शुक्ला के अलावा, अन्य चालक दल में पोलैंड से स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की और हंगरी से टिबोर कापू शामिल हैं, जो इतिहास में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की दोनों यूरोपीय देशों की पहली यात्रा और 40 वर्षों में दूसरा सरकार प्रायोजित मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है।

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन एक्सिओम-4 मिशन की कमांडर होंगी। शुक्ला ने जनवरी में संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''मैं सूक्ष्मगुरुत्व क्षेत्र में जाने और अकेले अंतरिक्ष उड़ान का अनुभव करने के लिए सचमुच बहुत उत्साहित हूं।'' अंतरिक्ष यात्री कक्षा में स्थित प्रयोगशाला में 14 दिन तक बिताने की योजना बना रहे हैं, जहां वे विज्ञान और वाणिज्यिक गतिविधियों का संचालन करेंगे।

एक्स-4 अंतरिक्ष यात्री आईएसएस में अपने 14 दिवसीय प्रवास के दौरान 31 देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 60 वैज्ञानिक अध्ययन और गतिविधियां करेंगे।

शुक्ला नासा के सहयोग से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के बीच सहयोग के तहत विकसित विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोगों का संचालन करने के लिए तैयार हैं।

इन प्रयोगों का उद्देश्य भविष्य में लम्बी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा के लिए आवश्यक अंतरिक्ष पोषण और आत्मनिर्भर जीवन समर्थन प्रणालियों का विकास करना है।

इसरो ने शुक्ला के लिए सात प्रयोगों की एक शृंखला तैयार की है जो नासा द्वारा अपने मानव अनुसंधान कार्यक्रम के लिए नियोजित पांच संयुक्त अध्ययनों में भी भाग लेंगे।

शुक्ला बीजों को मैक्रोबायोटिक परिस्थितियों में भी रखेंगे और उन्हें वापस धरती पर लाएंगे, जहां उन्हें पौधों में न केवल एक बार बल्कि कई पीढ़ियों तक उगाया जाएगा।

हरिकिशन सारड़ा

हरीश तापड़िया

हरिकिशन बने जसवंतगढ़ नागरिक परिषद के नए अध्यक्ष, हरीश बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जसवंतगढ़ नागरिक परिषद (जेएनपी) के संस्थापक सदस्यों की एक बैठक रविवार को रघुनाथ तोषनीवाल के निवास पर रखी गई जिसमें जेएनपी सलाहकार समिति का नाम बदलकर जेएनपी संस्थापक सदस्य कर दिया गया तथा संस्थापक सदस्य के रूप में विजयकुमार तोषनीवाल, रघुनाथ तोषनीवाल, शोभाचंद तापड़िया, निरंजन सारड़ा, बसंत कुमार सारड़ा व हरिकिशन सारड़ा शामिल किया है। संस्थापक सदस्यों ने परिषद के संचालन के लिए नई कार्यकारिणी समिति का चयन किया जिसमें हरिकिशन सारड़ा को परिषद का अध्यक्ष व सुन्दरकांड पाठ कार्यक्रम का संयोजक चुना। इसके साथ ही रमेश गगड़ को उपाध्यक्ष, हरीश तापड़िया को सचिव, नवनीत सारड़ा को सहसचिव व धीरज तोषनीवाल को कोषाध्यक्ष चुना। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अनसुईया सारड़ा, गायत्री मालपानी, राधिका तोषनीवाल, श्रीनिवास लोहिया, विकाश लाहोटी व मयंक उपाध्याय को शामिल किया है।

ममता कुलकर्णी ने संभल के कल्कि धाम में शिला दान किया

संभल (उप्र)/भाषा। अध्यात्म जगत में आई पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने रविवार को संभल में कल्कि धाम का दौरा किया। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने और फिर विवादों से सुर्खियों में आईं कुलकर्णी ने कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ एक शिला दान समारोह में भाग लिया। कुलकर्णी ने बाद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए अपनी आध्यात्मिक यात्रा और कल्कि धाम परियोजना के महत्व के बारे में बताया। कुलकर्णी ने कहा, मैं आचार्य प्रमोद कृष्णम द्वारा कल्कि धाम के सुंदर कार्य को करने के संकल्प पर गर्व महसूस करती हूं। मुझे यहां एक शिला दान करने का सौभाग्य मिला।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के करुणाडु दीपा शंकर नाग गेलियाराबलगा द्वारा केपी अग्रहारा में अणम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है। मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने अतिथि को सम्मानित किया।

नेपाल में राजशाही समर्थक प्रदर्शन : नेपाल के पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

काठमांडू/भाषा। नेपाल के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा और लगभग आधा दर्जन अन्य लोगों को रविवार को काठमांडू में राजशाही समर्थक प्रदर्शन के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू देश के रूप में स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और आरपीपी नेपाल सहित राजशाही समर्थक समूहों ने आंदोलन के चौथे दिन यहां नारायण चौर में विरोध प्रदर्शन किया। काठमांडू घाटी पुलिस के प्रवक्ता अपिल बोहोरा ने बताया कि आरपीपी अध्यक्ष और राजशाही के कट्टर समर्थक राजेंद्र लिंगडेन विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे और जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास बलुवाटर की ओर बढ़ने की कोशिश की तब उनका पुलिस के साथ झड़प हो गई। बोहरा ने कहा कि थापा और अन्य को नारायणहिती महल संग्रहालय क्षेत्र के आसपास प्रतिबंधित क्षेत्र का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि लगभग 1,200 राजशाही समर्थकों ने गणतंत्र प्रणाली के खिलाफ और राजशाही के पक्ष में नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। बोहरा ने बताया कि प्रदर्शनकारी पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें ले रखी थीं और प्रधानमंत्री के पी ओली के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com